

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44]

नई दिल्ली, शनिवार, अन्तुवर 31, 1981 (कार्तिक 9, 1903)

No

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 31, 1981 (KARTIKA 9, 1903)

इस भाग में भिन्न पृथ्क संस्था दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## माग 111-वन्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नर्ह दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. ए. 38013/1/81-प्रशा. ।।।—कार्मिक और प्रशास-निक सुधार विभाग के का. ज्ञा. सं. 33/12/73-स्था. (क) दिनांक 24 नवस्वर, 1973 की शर्ती के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न डरेक अधिकारी श्री आई. जे. शर्म को 30 सितंबर 1981 के अपराह्न में निवर्तन आयु की प्राप्ति पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत होने की राष्ट्रपित व्वारा सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

ग<sub>ा</sub>रा. गांधीं, अवर स**चि**र संघ लोक सेवा आयोग

#### गह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक

1981

सं० के०-13/71/प्रशा०-5-केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंद्रण तथा श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, भूसद्दारा निम्नलिखित श्रिष्टिकारी को दिनांक 20-10-1977 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:---

ऋ०सं०

श्रधिकारी का नाम

पद-स्थापन का वर्तमान स्थान

पद जिस पर केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो <del>के दह</del>ले

से स्थाई है।

1. श्री करतार सिंह

सामान्य प्रपराध स्कंध, दिल्ली

निरी**क्ष**क ै

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

सं. ए-35018/15/79-प्रका: 1—पुलिस उप-महानिरी-क्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री देबी प्रसाद राय, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 1 सितंबर 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदोश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों, के विल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग के सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> की. ला. ग्रोवर, प्रशासनिक अधिकारी (स्था) कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

महानिद्देशक का कार्यालय केन्द्रीय रिजर्वपूलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अक्तूबर 1981 सं. ओ. दो-1602/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. नरेन्द्र कुमार को अस्थाई रूप से आगामी आदोश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-।। (डी. एस. पी. /कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 14 सितम्बर 1981 के पूर्वहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

> ए. के. सूरी, सहायक निद्देशक (स्थापना)

# महानिद्देशक का कार्यालय कोन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बस

नर्हे विल्ली-110019, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

- सं.  $\xi^{2}$ . -38013(4)/16/81-कार्मिक राष्ट्रपति, के. औ. सु. ध. में निरक्षिक आर. एस. श्रीवास्तव को तद्दर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट, उनके उक्त पद का कार्यभार संभालने की तारीख से, नियुक्त करते  $\xi^{5}$ ।
- उपयुक्ति नियुक्ति पूर्ण रूप सं अस्थायी है तथा बिना नोटिस के समाप्त की जा सकती है।

सूरोन्द्र नाथ, महानिदोषक

वित्त मंत्रालय ग्रार्थिक कार्य विभाग बैंक मोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 30 सितम्बर 1981

ऋमांक बी॰ एन॰ पी॰/सी॰/5/81—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 28-4-1981 एवं 24-5-1981 के ग्रनुक्रम में निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की ग्रनिध उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथि तक उन्हीं शतौं एवं निबन्धनों पर बढ़ाई जाती हैं।

क्रमांक	नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	विनांक जब तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
सर्वश्री	_		
1. घी० वेंकट	रमणी	तकनीकी <b>प्रधि</b> कारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)	31-12-81
2. श्रार०सी	० भ्रग्नवाल	—-यथा—-	31-12-81
3. श्रशोक जो	प्री'	यथा	31-12-81
4. ए० डी० वे	रेशपांडे	<del>—</del> यथा—	31-12-81

मु० वै० चार, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 अक्लूबर 1981 सं. वा. ले. प. 1/323-69—महालेखाकार, कार्नटक, बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत श्री ए. एन. प्रभुशमाप्पा, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

# दिनांक 6 श्रक्तूबर 1981

सं० बा० ले॰ प॰/112-80--प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) नीचे कालम 3 में लिखित कार्यालय के निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधिकारी (वाणिज्यिक) जो वर्तमान में नीचे कालम 4 में लिखित संगठनों में बाह्य सेवा पर प्रतिनियुक्ति पर

हैं, को 'तत् निम्न नियम'' के श्रन्तर्गत स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में श्रागे आदेश दिये जाने तक नीचे कालम 5 में लिखित तारीख से नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	श्रधिकारी का नाम	किस कार्यालय का है	कार्यालय जहा प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है	पद्मोन्नति की तारीख
1. श्री जे०	जगध्या	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदंशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद	भ्रंडमान एवं निकोबार प्रगासन	31-10-80
2. श्री एस	० के० गुप्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली	इण्डिया इ्ग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड	स 31-10-80
3. श्री एस	० <b>भार</b> ० दास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	कलकत्ता मेट्रोपालिस <i>ड</i> वलपर्मेट <b>प्रथा</b> रिटी	1-4-81

एम० ए० सोमश्वर राव, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

# महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर श्रीनगर, दिनांक 7 अक्तूबर 1981

सं प्रवाः 1/60 (88)/81-82/4138-45—महालेखा-कार जम्मू व कश्मीर श्री नगर ने इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम. एल. बट्ट को 6-10-1981 (पूर्वाह्न) से टुरु 840-40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान मे स्थानापृन्न हीसियृत से लेखा प्राधिकारी के रूप में पदान्नृत् किया है।

> ह. प्र. वास, (प्र. एवं प्राधि) उपमहालेखाकार

#### उत्योग मंत्रालय

(अद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नर्ष दिल्ली-110011, विनांक 14 अक्टूबर 1981

- सं. 12/165/61-प्रशासन (राज.)—-राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक औद्योगिक डिजाइनर श्री सी. आर. पकराशी को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 31 अगस्त, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।
- सं. ए-19018/221/75-प्रशा. (राज.)—-राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघू उद्योग) के कार्यालय के श्री एस. सी. कुमार, सहायक निवंशक, श्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) को इसी कार्यालय में विनांक 11 सितंबर 1981 (पूर्वाह्न) से उप निवंश्यक (कांच/मृत्तिका) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हुँ।

सी. सी. ऱाय उपु निवंशक (प्रशासन)

#### आकाशवाणी महा निद्यालय

नर्इ दिल्ली, दिनांक 24 सितंबुर 1981

सं. 3/1/80-एस-तीन-खण्ड-एक—श्री आर. सी. अग्रवाल, विरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, ने अपनी पदोन्नित होने पर दूर-वर्शन केन्द्र, श्रीनगर में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार अस्थायी क्षमुता में 2-7-81 के पूर्वाह्न से संभाल तिया है।

#### दिनांक 25 सितंबर 1981

सं 10/22/79-एस-तीन—महानिद्येक, आकाशवाणी, एतद्व्वारा श्री एम. मथाई, वरिष्ठ इजीनियरी सहायक (उनके मित्रमंडल सचिवालय से परावर्तन पर, जहां वे प्रतिानगृक्ति पर थ) को आकाशवाणी के सहायक इजीनियर के सवर्ग म स्थानापन्न भमता म प्रान्ति करते हैं और उनको 4-8-1981 पूर्वाहन से अगुले आवश्य होने तुक आकाश्याणी, श्रियेन्द्रम् म तैनात करते हैं।

एच्. एन. बिश्वास् प्रशासन उप् निद्शास कृते महानिद्शाक

# स्वास्थ्य संवा महानिद्देशालय नर्ह दिल्ली, दिनांक 29 सितंब्र 1981

सं. ए. 12026/2/80-(एष्. क्यू.) प्रशासन ।—-राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय के श्री सी डबराल, उपनिद्याक (पुस्तकालय) और श्री ए. जी. पाटिल, अपर उप सहायक निद्याक (पुस्त.) को कमशः अपर उप सहायक निद्याक पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-। के पद पर 27 अग्स्त, 1981 पृषोहन से पराविर्तित (रिवर्ट) कर विया ग्या है।

#### दिनांक 1 अक्तूबर 1981

सं प. 12025/13/80-(एन टी आई) प्रशासन-।— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम्. वंकट रेड्डी को राष्ट्रीयृ क्षयरोग संस्थान बंगलौर में पूर्णस्या अस्थायी रूप सं 5 सितबर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कनिष्ठ जीवाणु विज्ञानी (बैकटिरिआलाजिस्ट) के पद पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल क्रुटियाला, उप निदोषक प्रधासन (था एंड एम्.)

## नक् दिल्ली, दिनांक 29 सितंबुर 1981

सं. ए. 19018/21/81-के स स्वा यो -। — स्वास्थ्य सेवा महानिविधक ने डा. (कूमारी) पूर्णिमा साधू को 2 जूलाई, 1981 के पूर्वीहन से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मे हाम्यो-

पैथिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

# दिनांक 3 अक्तूबर 1981

### शृक्षिध पत्र

सं ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो. ।—इस निवेशालय की दिनांक 6 मार्च 1981 की अधिसूचना संख्या ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो.-1 में ''डा. (कुमारी) रिविद्धा टंडन काथि'' नाम के स्थान पर ''डा. (कुमारी रिविन्धा दीनानाथ टंडन'' पर्वे।

र्स. ए. 19018/21/81-के. स. स्वा. यो.-।—रवास्थ्य सेवा महानिद्रोक ने डा. सामन्त राय सेरिन् को 10 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपें धिक चिकित्सक के पव पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. एस. राव उप निदेशक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

## नर्इ दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

सं. 6-42/80-औं. नि.—-राष्ट्रपति ने डा. एस. के, राय को 17 अप्रैल, 1980 से केन्द्रीय औष्धि प्रयोगशाला कलकत्ता मे निद्रोशक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

> शिव दयाल, उप निदोशक प्रशासन (स्टोर)

#### ग्रामीण पूर्ननिर्माण मंत्रालय

### विषणन एवं निरीक्षण निद्यालय

#### फरीदाबाद, दिनांक 30 सितंबर 1981

सं 19025/19/81-प्र ।।।—शीमती स्रोन्द्र कार, विरिष्ठ निरक्षिक (वर्ग-।) की इस निर्देशालय के अधीन नर्इ विल्ली में दिनांक 11-9-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विष्णन अधिकारी (वर्ग-।) के रूप में नियुक्त किया गया है।

#### दिनांक 13 अक्तूबर 1981

सं. ए. 19025/54/81-प्र. तृ. ।—संघ लोक सेवा क्षायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भीमसेनाचार्य पुरोहित को इस निद्यालय के अधीन दिनांक 24-9-81 (पूर्वाः) से अगले आदोश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्गः) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार, प्रशासन निद्येष कृते कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

### (कार्मिक प्रभाग)

बम्बर्घ 400085, दिनांक 18 सितंबर 1981

सं. पोए/76 (3)/80 आर ।।। (1)——नियंत्रक भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र संयुक्त नियंत्रक, रक्षा लेखा कार्यालय सिकन्दराबाद के स्थायी अनुभाग अधिकारी (अ) श्री कृष्णमूर्ति विद्यनाथन को भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी एद पर रुप्ये 650-30-740-35-880 द. रो.

40-960 के वितन कम में, प्रतिनियुक्ति पर 10 सितम्बर, 1981 पूर्वाह्न से 9 सितम्बर 1982 अपराह्न तक नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 22 सितंबर 1981

### स्विध-पत्र

सं. पीए/79(11)/79 आर 111--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में श्री करतार सिंह गोपाल वासवानी की 1 जून 1981 से अग्निम आदेशों तक सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति के संबंध में दिनांक 11 जून 1981 की समसंख्यक अधि-सूचना में आंशिक संशोधन के अनुसार उनका कुलनाम 'बासवानी' पढ़ा जाय।

## विनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. पीए/34 (2)/80 जार ।।।——नियंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री स्टौनले वत्सलन को इस अनुसंधान में 23 सितंबर 1981 पूर्वाह्म से अग्रिमें आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं पीए/34 (2)/80 आर ।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र प्रिफ्री, तारापुर के स्थामी सहायक सुरक्षा अधिकारी बसवन्तैया शिवलिंगौया हुलिगिरिमठ को बम्बई स्थित इस अनुसंधान केन्द्र में 28 सितंबर 1981 पूर्वाहन से अग्निम आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानायन रूप से नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मेनोन, उप स्थापना अधिकारी

#### बम्बर्घ 400085, विनांक 23 सितंबर 1981

सं. 5/1/81-स्थापना 11/3881—िनयंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री वी. आर. शिवलं, सहायक सूरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी पद पर 4-6-1981 (पूर्वास्न) से 4-7-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हुँ।

ओम प्रकाश बना, उप स्थापना अधिकारी

## परमाण् उत्रर्जा विभाग

# नरारा परमाणु विद्युत परियोजना

नराँरा-202389, विनांक 1 अक्तूबर 1981

क. न. प. वि. प./प्रशा/26(1)/81/एस/11808— नरीरा परमाण विव्युत परियोजना, नरीरा, के मुख्य परियोजना अभियन्ता वि.प्रा. ज.प्र. के अर्धस्थायी नक्शानवीस 'बी' तथा राजस्थाप परमाण विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस. बी., श्री एस. के. रस्तोगी को विनांक सितम्बर 5, 1981 से अग्रिम आदेशों तक के लिए, नरीरा परमाण विद्युत परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधि-कारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी. के पद पर नियुक्त करते हैं।

> अ. दे. भाटिया प्रशासन अधिकारी कृते मृद्य परियोजमा अभियन्ता

### ऋय एवं भंडार निद्यालय

## बम्बई 400001, दिनांक 3 अक्तुबर 1981

सं. नि/23/9/77-स्थापना/19257—क्य और अंडार निद्देशालय के निदंशक ने श्री पी. एम. राव लेखा-अधिकारी ।। की छुट्टी मंजूर होने और स्थान्तरण पर श्री बाबूलाल मोहन लाल गनातरा सहायक लेखा अधिकारी को दिनांक 11-5-1981 से दिनांक 14-9-1981 तक के लिए इसी निदंशालय में रुपये 840-40-1000-इंबी-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी ।। नियुक्त किया गया है।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं. रापिविप/भर्ती/9 (9)81/स्थ/12—राजस्थान परमाण् विव्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इजीनियर, राजस्थान परमाण् विजली घर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री आर. सी. शाह को राजस्थान परमाण् विव्युत् परियोजना में दिनांक 20-9-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी तौर से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियंक्ति प्रदान करते हैं।

एम . डी . गाडगील प्रज्ञासन अधिकारी (स्थापना) **धास्ते** मुख्य परियोजना इंजीनियर (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-50016, दिनांक 10 सितंबर 1981

सं. प.स.प्र.-1/1/81-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निद्धाक एतद्द्यारा श्री इ सरार हु सैन इसराइ ली को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 सितम्बर, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधि-कारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

> एम. एस. राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

# बम्बई-400008, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. 05012/भ5/स्था.प/5739—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारों, श्री कडमत्तू पचुपिल्लई राधा-कृष्णन, अस्थायी सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी कार्यालय में जुलाई, 1 (पूर्वा.), 1981 से अगस्त (अपरा.) 1981 तक के लिए श्री वी. बी. स्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, जो अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित हो गए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. च. कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

### नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/80—ई० ए० — महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की श्रविध के लिये अथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र श्रिधकारी के ग्रेड में तर्दर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है। इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, दिल्ली में तैनात किया गया है।

<b>कम</b> सं० नाम	तारी <b>ख</b>
1. श्री के० एन० मेहता	20-8-81
2. श्री बलवन्त राय	20-8-81
	सुधाकर गुप्ता
	उप निदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

#### सीमागुल्क/स्थापना

### मद्रास-।, विनांक 6 जुलाई 1981

सं. 9/81—श्री एम. पाक्कीयम को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 3-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमाधुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक प्रीवीक्षाधीन काल में रहींगे।

### दिनांक 21 जुलाई 1981

सं. 11/81— श्रीमती एत्सी तामस को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 15-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदोश तक अस्थाई रूप से सीमाशुक्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वेदों साल तक परखाधीन काल में उहीं।

#### दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. 12/81—-श्री जी. कल्याण रामन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 27-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

# दिनांक 26 अगस्त 1981 सीमाश्लक/सिब्बन्दी

सं. 13/81—सर्वश्री एल. वी. मेनेसस, टि. आर. गावित्दराजन और ए. वासुदेवन को 13-7-81 के पूर्वाह्न मद्रास सीमाशुल्क घर में सीमाशुल्क अध्यक्ष (निवारक) के पद पर नियमित रूप में प्रोन्नत किया जाता है।

ए सी. सल्वाना, सीमाणुस्क समाहर्ता

## केन्द्रीय जल भ्रायोग

# नई दिल्ली, दिनांक 1 ध्रक्तूबर 1981

सं० ए० 19012/533/75-स्थापना-पांच-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग निम्नलिखित श्रिधकारियों को ग्रितिरिक्त सहायक निदेगाक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) के ग्रेड में, पूर्णरूप से श्रस्थाई तथा तदर्थ श्राधार पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में छः माह की श्रविध के लिये या पर्दो के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, को उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीख से स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु एतुद्दारा नियुक्त करते हैं:--

क∘ सं∘	श्रिधिकारी का नाम व पदनाम	म्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	जहां पदस्थापित है
1	2	3	4
 1. सर्वर्श्र	ो सी० के० एम० नाम्बियार, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० सी० डी०-1 निदेशालय
2. ,,	एन० एल० वघेला, पर्यवेक्षक	10-9-81 (पूर्वाह्म)	जे० डी० —दो निदेशालय
3. ,,	मदनगोपाल ग्ररोड़ा, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	टी० डी० निवेशालय
4. ,,	ए० बी० थामिया, पर्यवेक्षक	24-8-81 (पूर्वाह्न)	सी० एस० एम० आर०.एस०
5. ,,	बी० बी० मायुर, पर्यवेक्षक	27-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० ई० निदेशालय
6. ,,	एस० सी० चोपड़ा, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्न)	पी० एण्ड श्राई० संगठन
7. ,,	जी० के० स्वामी, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्म)	रिजवियर सेडिमेंटेशन

ए० भट्टाचार्य, धवर सचिव

# नद्दं विल्ली, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं. ए-19012/1(5)/81-स्थापना एक—-अधयक्ष, केन्द्रीय जल आगोग, श्री पी. के. गुप्ता, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक को अतिरिक्त सहायक निवेशक (हाईडोमेट) के पद पर रु. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 7-9-81 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर छः माह की अविध के लिए अथवा इस् पद को नियमित आधार पर भरोजाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हुई।

के. एन. भण्डूला, अवर सचिव

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स वन्दना पिचर्स लिमिटेड के विषय में

जयपर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1270—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनूसरण में एतव्यूवारा सूचना दी जाती है कि मेर्स्स बन्दना पिचर्स लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बन्सीका इजीनियरिंग एण्ड कोस्किल इन्डस्ट्रीज प्रा. लि. केविषय में

जयपूर, दिनांक 30 सितम्बर (1981

सं. सांस्थिकी/1370~-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्रब्द्वारा सूचना दी जाता है कि मैसर्स बन्धीका इंजीनियरिंग एण्ड केंमिकल इन्डस्ट्रीज लि. का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्म अलंकार सेविंग्स एण्ड जनरल फार्शनेन्स प्रा. लि. के विषय मो

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1497—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतब्ब्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अलंकार सो विग्स एण्ड जनरल फाईनेन्स प्रा. लि. का नाम उक्त रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

क म्पनी अधिनियम, 1956 और मैंसर्स शीतल फाइनेन्सर प्राईवेट लिमिटोड के विषय मे

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं . सांस्थिकी/1643—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतक्ष्वारा सूचना दी

जाती है कि मेसर्स शीतल फार्इनेन्सर प्राईविट लि. का नाम उक्त रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

काम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स कीवी शाल्वस प्राईविट लिमिटोड के विषय में

## जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1730—कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स कोषी शोल्दम प्राईवेट निमिटोड का नाम उक्त रिजस्टर में काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस. पी. दीक्षित कम्पनियों का रजिस्टर राजस्थान, जयपुर

कस्पनी अधिनियम 1956 एवं जमशेद वाच्छा प्रार्हेकेट लिमिटोड के विषय में

बंबई, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं 618/4627/560(5)——कस्पनी अधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सूधना दी जाती है कि जमशेव वाच्छा प्राईवेट लिमिटेंड का नाम उक्त रिजस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं युनिवर्सल नटस् एण्ड बोल्टस् प्रार्हिवेट लिमिटेंड के विषय में बंबर्ह, दिनांक 3 अक्तुबर 1981

सं. 15458/560/(5)——कम्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि यूनिवर्सल नटस् एण्ड वोल्टस् प्राई वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघिटित हो गई है।

कम्पनी अभिनियम 1956 एवं एस. एत. के. ट्रोर्ड्स प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

# बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 619/19349/560(5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा मूचना दी जाती है की एस. एन. के. ट्रंडर्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिअस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं अमिद रिसर्च लोबोरटेरी प्रार्ছ-बंट लिसिटोड के विषय में।

बम्बर्ड, दिनांक 3 अक्टाबर 1981

सं. 620/19454/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्

क्वारा सूचना दी जाती है कि असिव रिसर्च लोबोरेटरी प्रार्ह-बेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिटा कोम प्राइविट लिमिटेड को विषय में।

# बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं 617/1214/560 (5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद् व्वारा सूचना दी जाती है कि बिटा कोम-प्राई वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मंन्सफोल्ड प्रा**र्डवेट लिमिटेड की** विषय में।

# बम्बर्ड, दिनांक 3 अक्टूबर1981

सं. 470/13758/560 (5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है की मंन्सफोल्ड प्रार्डवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं स्वास्तिक प्रापटींज प्राईविट लिमि-

# बम्बद्दं, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 15302/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतव्द्वारा सूधना दी जाती है की स्वास्तिक प्रापटींज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विध-टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं शामरोक प्रांडक्टस् प्राईबिट लिमिटोड के विषय में।

# बम्बई, दिनांक 12 अकटाबर 1981

सं. 469/5472/560 (5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि शामरोक प्रांडक्टम् प्राईविट लिमि-टेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बर्ध। प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नर्ष दिल्ली-110002 नर्ष दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्यीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2927,---च्रिक में आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था ई-258, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरनरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उप्धारा (1) के बाधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री प्रदीप कुमार क्षोसला सुपूत्र वि. आर. **क्षोस**ला (धि<del>ष्</del>या सागर मासला) 115/6, अर्निवालास स्ट्रीट, कलकत्ता-4,

(अन्सरक)

(2) श्री लक्षमी कान्त सोनी, श्री सूरश कान्त सोनी सूपृत्र स्वर्गीय श्री एम के सोनी, 712-बाबा सड्क सिंह मार्ग, नई दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुसे 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

## अमुसुची

मकान नं. ई-258, क्षेत्रफल 213 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-। नई दिल्ली

> आर. बी. एल. अफ्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नर्ह दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप भाइ र टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार-

कायलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2838,—चूं कि मैं आर बी. एल. अग्रवाल, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था नं. 3, है एवं जो साधना इनक्लेव, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अन्सूज़ी में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यानलय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित याजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के लिए;

कतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2—306GI/81 (1) श्री वि जे एफ , कुलन्डे, 3-माधना इनक्लेव, नई विल्ली

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सूभा लक्षमी सान, सी-38, पंचशीला इन्क्लेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
  4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. 3 साधना इनकलेव, नई दिल्ली

आर. बी. एल ज्याग्रनाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त वर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नर्द दिल्ली-110002

नर्द्घ दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2831,---भू कि में आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर किनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वासं करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 3, ब्लाक न 'एन' है एवं जो ग्रेटर कौलाश-1, नर्ह दिल्ली, मे स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अन्सूची मे दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नर्ह दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्विकत संपितत के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्नकर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री हुरी लाल गांवरधन सुपृत्र स्वर्गीय श्री राम प्रसाद, गांवरधन, सी-15, चीराग इनक्लेव, नर्झ दिल्ली कवारा अटनी श्रीमती उपा मांकरधन,

(अन्तरक)

(2) श्री अरून मितल स्पृत्र श्री वि. बी. मितल, ए-3, ग्रेंबर कौलाश इनक्लेव-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आ**क्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

प्लाट नं . 3-, ब्लाक नं . 'एन' 309 वर्ग गआ, ग्रेटर कौलाश-।, न**र्ह दि**ल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल **स्काम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>े</sup>ज-1, नई दिल्ली

**सारील : 1-10-1981** 

मोहर्

प्ररूप. आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्लूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्क्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2902--च कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕-रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी मंख्या एस-296 है एवं जो ग्रेटर कौलाश-2, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनसची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधीकारी के नई दिल्ली स्थित कार्या-लग में दिनांक फरवरी, 1981 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई और मफ्रेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारी 269-ग के, अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों अधितः-- (1) श्री ए. एस. रघनाथन, स्पूत्र स्वर्गीय श्री ए. एस. योगर, बी/5/133, सफदरजंग इनकलेव, नर्इ दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री अमर नाथ कौनोथ र्ह-128, ग्राम मोहमवपुर, नियर आर. के. पुरम, नर्ह विल्ली

(अन्त**ि**रती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वों क्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. एस-296, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अङ्बाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१, नर्झ दिल्ली

तारीख : 1-1<sup>-</sup>0-1981

मोझर्:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नइं दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2898—चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है.

और जिसकी संख्या ई -469, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारों के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त धिक्ष-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसीं भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उनत भविमियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निणियन व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्रीमती स्वर्णा सहगल और श्रीमती संगीता घोपडा, डी-289 डीफेस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा. राज कमार डोग्राऔर मि प्रकाश डोग्रा जी-51, मस्जीद मठ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धनकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिय। गया है।

# मन्सूची

प्रो. नं. ई-469, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

मोहर

## प्रका माई० दी । एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई विल्ली-110002

नर्इ दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 निंसः आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2877—चूंकि में आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

और जिसकी संख्या सी-18, है एवं जो निजामृब्बीन वेस्ट, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिनियम के नई दिल्ली स्थित कार्यान्लय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित, बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशान मे प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त विश्वतिक्वा उद्देश । उक्त प्रस्तरण विविद्य में वास्त्रविक स्रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में गृविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: क्षय, उन्त ग्रिधिनियम, को धारा 269-ग के **धनुसरण** में में, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निस्त<u>िल्</u>चित् व्य<u>िक्त</u>्यों मुर्थात् ध--

- (1) श्री प्रेम पटनायक सुपृत्र बी. पटनायक नं. 2, सेन्ट्रल एवन्यु, महारानी बाग, नर्द विल्ली (अन्तर्क)
- (2) श्री अमत अली, हसम अली, सुपृत्र हसमत अली और नसीर अली (माइनर) द्वारा उसके पिता, हसमत अली, 1335, कालन महल, दरीया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के तमबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूत्रता क राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशक्तरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रष्टपाप 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं सी-18, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज, निजामुब्दिन वेस्ट, नर्षः विल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम<sup>ं</sup>प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोज-1, नर्दा दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

# आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के घ्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2887—च्चिक मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, ग्राय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके प्यवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति जिसका उच्चत बाजार पूरुष 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

और जिस्की संख्या डी-168, है एव जो डीफेंस कालांनी, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थिस कार्यालय में दिनांक फर्बरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितफल से, एमे दश्यमान प्रितफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण सहुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न-नियम के भन्नीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम वा धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया श्रेजाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिकित् स्यूतिक्त्यों स्थितः--

- (1) श्रीमती शिला सिंह पत्नी स्वर्गीय ठाक्र भागीरथ सिंह डी-168, डिफेस कालानी, नई दिल्ली (अन्सरक)
- (2) श्रीमती मृक्ति राय पंत्नी श्री अमल कमार राय और श्री अमल कुमार राय सुपुत्र स्वर्गीय श्री ललीत कुमार राय, सी-162, डिफेंस कालानी, नर्झ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्त्रति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस यूचेनां के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वत्होकर गः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं. डी.-168, डिफोस कालेनी, नई दिल्ली, क्षेत्र-फल-325 वर्गगज,

> आर.बी.एल.अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नर्ड दिल्ली-110002 नर्ड दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2928—-चुिक मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी संख्या ए-68, है एवं जो एन. डी. एस. ई भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुमुची मे दिया गया हैं) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981 का पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करिशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) श्रीमती पूष्पा संठी पत्नी श्री एस. पी. संठी, 28, लखनऊ रोड, नई विल्ली

्(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेद्ध कौर पत्नी सरदार सजन मिह, ई-28-ए, राजौरी गाडोंन, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा आं उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. ए-68, एनं. डी. एसं. र्हे भाग-2, नर्हे दिल्ली, 250 वर्गगज,

> आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आय्**क्त (निरक्षिण) अर्जन रज-1, नर्द्य दिल्ली

तारीख : 1-10-1931

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आंयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. /एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2830---चू कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-13, हैं एवं जो संय फेयर गार्डोंन, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूची में दिया गया हैं) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यान्त्य में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वेक्तं सम्पितः के उचित वाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचितः बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:--- (1) श्रीमती आशा भवनानी पत्नी श्री हिरा लाल भवनानी, द्वारा अर्टनी मि. बादल सुपुत्र श्री एच. उत्तम, बी/2/3, सफदरजंग इनक्लेय नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री महतानी मोहनी ठाकुर दास और मि. महतानी ठाकूरदास सुपूत्र श्री नारायण दास, बी-60, मेय-फेयर गार्डीन, नर्ष विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुलुकी

प्रो. नं. **बी**.-13, सेयफेयर गाडोंन, न**र्इ विल्ली, कामपो-**लिटन को-ओपहाउसिंग सोसाइटी लि. नर्इ दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नहीं विल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप आध्रा. टी. एन. एस. →-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नर्हे दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981

सदर्भ सं० 3 नि० स० घा० ग्रा०/एक्वीजीशन 2/एस 81/2892—चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-42, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विया गया है की पंजीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीक रण अधिकारी से नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की दृंही और मुभे यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर क्षीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :-- 3—306GI/81

- (1) श्री गुरविन्दर सिंह खुराना, ई-118, इस्ट औफ कौलाश, नई दिल्ली
- (अन्तर्क)
  (2) मैं जावेद भाई एण्ड कं. प्रा. लि. एस-42, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली

(अन्तरिती)<sup>'</sup>

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्रची

मकान नं. एस.-42, ग्रेटर कीलाश-2, नई विल्ली क्षेत्रफल 300 वर्ग गज-

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

प्ररूप वार्डं टी. एन. एस.-मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ममीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज. नह विल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2897—=चुंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- व्यये से ब्रधिक है और जिसकी संख्या वी-1/12, है एवं जो बसन्त विहार, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16गां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तथयमान प्रतिकास के सिए भग्तरिक्ष की वर्ष है और मुक्के यह विश्वास करने आ आगरण है कि यथापूर्वोच्छ सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकस से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रश्नेष्ठ पतिभत से अधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ्रेय निम्नीलिखित उत्रेक्ष्य **से उस्त बन्तरण विचित्र में बास्तविक** क्ष्प से क्ष्मित नहीं किया गवा है ----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की **बाबत उक्त शर्ध-**नियम के ब्राधीन कर देने के अन्सरक के बायिला में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तिमीं को, जिम्हें भारतीय आयकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर विक-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय द्मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा मा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविद्या के सिए;

अक्षा, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरन में, मैं इन न अधिनियम की झारा 26 क- व की उपधारा (1) के नधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रवीत !---

- (1) श्री चन्द्र भूषण, 26 शिव तिर्थ-1, भ्ला भाइ देशाई रोड, बम्बेय-26 (बन्तरक)
- (2) श्रीमती शोल जैन, 2600, छाटा प्रताप सिंह किनारी बाजार, विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के ध्रजीन के छिए कार्यवाद्वियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधा, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
  - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ्रिप्रधिनियम के प्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया

# मृगुस्ची

प्लाट नं , बी-1/12, बसन्त विहार, नई दिल्ली।

भारः बी. एलः अग्रवालः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### जारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, नहीं विल्ली-110002 अर्जन राज-1, नहीं विल्ली-110001

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2910— चूकि मैं, आर बी. अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ई-83, है एवं जो एन डी. एस. ई. भाग-1, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संग्लन अनुसूची में दिया गया है) कि पजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वृष्ते में सून्धि। के तुसूर; बाँड/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) डा. एस. जी. वर्मा, सुपूत्र स्वर्गीय श्री होमराज वर्मा इं-83, न्यु दिल्ली साउथ एक्स. भाग-2, नर्ह दिल्ली

(अन्तरक)

'(2) श्री तुफल अहमद सपुत्र श्री अबब्जल लतीफ और मोहमद इकबाल अहमद, सुपूत्र तुफल अहमद मकान नं 3189 कुचा पंडीत लाल कुवा, दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया ग्या है।

# अनुसूची

मकान नं. ई-83, एरीया 200 वर्ग गज, नई दिल्ली साउथ एक्स. भाग-1, नई दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त अर्थन र्था-1, नई दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-क की अन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भ्रो अधीन्, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख 🛭 1-10-1981 मोहर 🕄

# प्रकप माई वटी० एन• एस•⊸—

धायकर धिक्षिनियम, 1 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के धिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नक्षे दिल्ली-110002 नक्षे दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2912—चूं कि में, आर. बी. एल. अग्रवाल, भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के पश्चीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या डी-221, ही एवं जो डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित ही, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया ही की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम अफने का कारण है कि संशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्त अन्तर्थ से किवत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भावि-नियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्स प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भूषीन, निम्नीसिय्त स्पन्तियों, स्पृत्ति :--

- (1) स्वर्गीय करनल सीता राम आनन्त सुपुत्र श्री उत्तम भन्द आनन्द, 109, विकटोरीया रोड, जबल पुर, व्यारा जी/एएयर कडिर ए. आर. आनन्द
  - (अन्सूरक)
- (2) डा. सूरोश महाजन, सृपृत्र डा. एम. आर. महाजन, 15571 सेवेन पिन्स एवन्य, यू. एस. ए. द्वारा श्रीमती स्वरन तता गुप्ता जी/ए,

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई की धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भग्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी चरन :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त धिनियम', के ध्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ध्रष्टं होगा, जो उस ध्रष्ट्याय में विया गया है।

### नम्स्यी

प्रो. नं. डी-221, डिफॉस कालोनी, नई विल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-1, नुई दिल्ली

तार<del>ीत</del> ः 1-10-1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टाबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2821—च कि मैं, आर बी एल अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/- रतः से अधिक हैं और जिसकी संख्या ई-252, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न

अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908

'(1908 का 16वा) के अधीन पंजीक रण अधिकारी के नई दिल्ली

स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है औग मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संप्रित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लियै; और/या
- (हा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पवन कामार चन्दांक सुपुत्र श्री जे. आर. चन्दांक, र्ছ-116, ग्रेटर किलाश-1, नर्ह दिल्ली

(अन्तुरुक)

(2) श्री राधा कृशन गुप्ता सुपुत्र लाला रघबर दयालु गुप्ता श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी राधा कुशन गुप्ता, ई-252 ग्रेटर कीलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिया ग्या है।

## अनुसूची

मकान नं. ई-252, ग्रेटर कौलाश-1, नई दिल्ली, 211 वर्गगज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्ष्य प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नहीं विल्ली

अतः अम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् ε--

तारींच 🤄 1-10-1981

माहरू 🗈

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्झ विल्ली-110002 नर्झ विल्ली, 1 अक्ट्रबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एववीजीशन ।/एस-आर-3/2-81/2840——चूं कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

और जिसकी संख्या ई-39, है एवं जो कालीन्दी कालोनी, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा र मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखिता में वास्तरिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, चक्त ग्रिविनयम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्सदक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्निए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ग्रतः ग्रब, उक्तवधिनियम की धाए २०० व के धनुसरण वें! मैं उक्त भविनियम की धाए २०० व की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रव्हीतृ!— (1) श्री तारा चन्द सुपूत्र रामा नन्द, 13-म्यूनिसीपल कमला नगर, नई दिल्ली

(अंत्तरक)

(2) श्री सुरोश अग्रवाल सृपुत्र श्री दलीप सिंह अग्रवाल और स्नोह अग्रवाल पत्नी श्री सुरोश अग्रवाल 678/1, बिमला भवन, काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(अंतर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासेप-

- (क) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत क्
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा।
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास निस्तिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों छोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

# नगत्नी

प्लाट नं. ई-39, कालीन्दी कालोनी, 418 वर्ग गुज, नई दिल्ली।

> आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षय प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निर्डीक्षण) अर्जन रोज-१, नहीं दिल्ली

तारीब 🖫 1-10-1981 मोर्ड : प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, नहीं विल्ली-110002

नर्ष्ट दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन ।/एस-आर-3/2-81/2843—चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या डी-34, है एवं जो एन. डी. एस. ई. भाग-2, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वो कित सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार भूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सियक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्रीमती दया वन्ती, मिस संजीवनी (माइनर) 704-707, चांदी महल, दरीया गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं. सरस्वती बिल्डर्स फेस-2, नई विल्ली जी-1/ 16, वरीया गंज, दिल्ली, द्वारा श्री सतीश संठ, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के
  पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### शन संची

प्रो. नं. पी/34, एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रजें-।, नर्दे विल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि . स् . आ . /एक्वीजीशन । /एस-आर-3/2-81/2911--चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, बाबकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 11/90, हैं एवं जो कनांट सर्कस, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुया हैंड--

- (क) जन्तर्ण से हुन्दै किसी आय की वाब्त, उक्त आर्थिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वार्यित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भृत् या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः मद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के मुभीन निम्मलिक्त स्पिक्तयों मुभीतः- (1) मैं. रोलीयस इन्डीया लि. अटर्नि श्री अमर नाथ पियारोलाल, नं. 13, जयपुर इस्टेट, निजामुदीन, इस्ट, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं. राजीव मोटर्स प्रा. लि. 11/90, कनांट सर्कास, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्प्रीत के अर्थन के प्रमुख्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖼

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जूर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया

वगुजुची

प्रो. नं. 11/90, कानांट सर्कास, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाब् सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नर्द दिल्ली

तारील : 1-10-1981

प्रा**क्ष्य भाई॰ टी॰ एन॰** एस॰--

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1981

निद्या नं. पि. आर. नं. 1188/एक्वी-23-11/81-82 ---अतः मुभ्ते, जी. मी. गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रूरम 25,000/- क्पए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या पलाट नं 326, सेक्टर नं 22 है। तथा जो गांधी नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विज्ञात हैं), रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-81

को पूर्वाकत सम्पन्ति के उचित बाजार मूहण से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गाप्रतिमल निम्नलिनिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तरिक को ने जिन्न नहीं किया क्या है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रक्रितियम ने मधीन कर देने के मस्तरक के वायित्व में हमी करने या उससे बचन में सूबिधा के सिए; और/या
- (खा। ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिथों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त भिधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ**वं, उ**क्त प्रधिनियम की **धारा** 2**69-ग के घनुसरण** में, में, उक्त **प्रधि**नियम की **घारा 269-घ** की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् :--4—306**G**I/81

- (1) श्री लाल भाई चन् भाई एटंल और मध्बेन लाल भाई पटंल, मेल्टर नं. 22, गांधीनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री आर. ज. पटेल 1, संक्टर नं 22, प्लाट नं 326, गांभीनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की यंबाब मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी यंबाब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृबोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्मति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त गड़दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो एस यक्ष्याय में विया गया है।

# भ्रनसूची

जमीन और मकान प्लाट नं. 326, सेक्टरं नं. 22 जो गांधी-नगर टाइन्न शिप में स्थित है और जो बिक्कीसत नैं. 309 पर संपूर्ण वर्णन पर गंधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीस 26-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग, सक्षम प्राधिकारो सहारक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमबाबाद

तारीख . 5-10-1981 मोहर : प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्सूबर 1981

निदोश नं पि आर न 1189/एक्की-23-11/81-82 ---अत मुक्ते, जी सीगर्ग,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उनत अधिनियम' कहा गय हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

वीर जिसकी स. ब्लाक न प्-4/6, वि आई डि सि लिमिट डे एस्ट टे है तथा जो गोरवा, बरोडा में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-1981 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के नुधीन निम्निसिक्ट व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्री पटेल रमंशेभाई मगन भाई, विशवास कालोगी, अल्ट्यापुरी, बरोडा।
  - (अन्तरक)
- (2) 1 श्री पटले जितेन्द्राक् भार मगन भाई
  - 2 पटल बकल दया भाई,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिस की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी में अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **मन्स्**ची

जमीन और औद्योगिक शेड जो ब्लाक न ए-4/6 बी. ए डी. सी लिमिटेड, एस्टेट गोरखा, बरोडा, में स्थित हैं और जो बिकांखन नं 1210 पर संपूर्ण वर्णन पर तारील 27-2-1981 में सब रिजस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

मो**हर** तारीख : 6-10-1981 प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निद्येश न . पि . आरं न . 1190/एक्वी-23-।। /81-82 ---अत. म्फें, जी . सी गर्ग,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं.

और जिसकी सं नोद नं 960, वार्ड नं 2, तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबस्थ अन्मची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति, का जोचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योष्मार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उत्कत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री नटवरलाल जेटालाल, पूष्पाबेन नटवरलाल, निसंग शेरी, साग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमंती निर्मलाबेन जयवदन, मैसर्स सि. बी. कन्शद्रकशन कम्पनी का भागीदार नारसिंग शेरी, सस्याम्पुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना जारी करके पृवाँक्स सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप्2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से. 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की जनिभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा?
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिन्दिक में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, यो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें विधा गुसा हूँ।

# वन्युकी

मिलकत जो नोद नं. 960, वार्ड नं. 2, सुरत रथाविधि तारीस 2-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी पर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

मो**हर**ः तारीब ः 6-10-1981

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्देशनं. पी आर. नं. 1191/एक्वी-23-।।/81-82 ---अतः मुभ्ते, जी. सी गर्ग,

प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इपर्ने इपके पश्चात् 'छका प्रधितियम' कहा गया है), की झारा 269-व के मंत्रीत सक्षय प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण र कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- क्पए में प्रक्रिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 110, प्लाट नं. 11-ए-(पैकी) हैं। तथा जो वार्ड नं 13-सी, नोंद नं. 450, सी एस नं 11-ए मजूरा सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 2-2-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य में काम के दश्यमान प्राप्तिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अबिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छंश्यों से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्विक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किमी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (भ्र) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, शव, उक्त मसिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, एक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के मसीन -निम्नलिखित व्यक्तियों खर्चातु:--

- (1) श्री गुणवनतरांय नानु भाइ दोशाई, नवचेतन सोसा-यटी, मजूरा, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्री पन्कजकामार हसमूखलाल कापाडिया, माधना सोसायटी बराछा राड, सूरत। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्मन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राफ्रियः --

- (क) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वाषा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्याहरण :---इनने प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उन प्रध्या ने दिवानवा नै।

### अनुस्ची

मिलकत जो मजुरा एस. नं. 110, प्लाट नं. 110-ए (पी), वार्ड नं. 13-सी, नोदं नं. 450, नयी सी. ए. नं. 20 (पी) प्लाट नं. 11-ए, सूरत, यथाविधि तारीख 2-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी . सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, अहमवाबाद

मोहर

तारीब : 6-10-1981

# प्ररूप धाई० टी० एन∙ एस•-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहम्दासाद

अहमवाबाद, विनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्धांना पी आर. न 1192/एक्बी-23-11/81-82 --अतः मुभ्ते, जी. सीगर्ग,

स्रायकर स्रातानयम, 1961 (1961 हा 43) (जिते इसमें इसके पश्चात 'उकत स्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 260 खं के प्रशीत गक्षम पाधिक की, यह विश्वास करने का, कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये में श्रीधक है और जिसकी सं नोट नं 214-ए-की करावी शेरी है तथा जे

और जिसकी सं. नोद नं. 214-ए-बी, करादी शेरी हैं तथा जो नानपुरा, सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविधित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1981

को पूर्वोण्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान प्रतिफर्न के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिष्ठिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं कि सामार है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी अरने या उससे बचने मे सृविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणं मो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः-- (1) श्रीमती बार्ड गांगा छांटालाल, करावीशरी, नान-पुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमलावेन विजयुखानदास जारीवाला, सोल प्राप. उपासना कोरपोरशन, 5, भुला बिलडिंग, दूसार मंजिल, कान पिथ, सूरत। (अन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ड**ै।

## जनसची

मिलकत जो नांद नं 214-ए-बी, खाद्री शेरी, नानपूरा, स्रत यधाविधि तारील 12-2-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजा-।।, अहमदाबाद

तारीय : 6-10-1981

प्ररूप आहर्ष .टी .एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्नालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्धा न. पी. आर. न. 1193/एक्बी-23-11/81-82
--अत: मुक्ते, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य
25,000/ रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं नंध्र नं 328, एस. नं 42 (पी) है तथा जो
नर्मादनगर प्लाट नं 57, अतवा, सूरत में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध अनुसूचि मो और पूर्ण रूप म व्यणित हों), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हो कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-2-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह. विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के. पम्बूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गता प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त किसी किस को बन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

वतः वदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निस्निल्डित व्यक्तियों अधीतः :-- (1) श्री कनचनलाल छगनलाल लिमङ्गी, मालदीबेन कानचनलाल लिमङी, नरमंदानगर, अतवा लैन्स स्रत।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्रा ताकोर भाई देशाई, भारतीबेन भूपेन्द्रा देसाई, नगरवड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके .पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पत्सि के, अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सुकोंगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

# अन्स्भी

मिलकत ओ वार्ड नं. 13, नोंद नं. 328, एस. नं. 42 (पी) नर्मधानगर, प्लाट नं. 57, नया सी. एस. नं: 1726, अतवा, सुरल यथाविधि तारीस 13-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी  $\epsilon^5$ ।

जी. सींगर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 6-10-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकार आय्का (निरोधण) अर्जन रोज-।।, अहम्प्दाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निचोश नं. पी आर. न. 1194/एक्क्वी-23-।। /81-82 --अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं नोद न, 4528-बी., वार्द्ग नं 4, है तथा जो बेगमपुरा, सूरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय स्रत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-2-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देव से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

(1) श्रीमित सामीबेर, केवल राम कसंनदास की विधवा, नमीदाबेन, केवलराम कर्सनदास की पुत्री, केशवलाल केवल राम नटवरलाल केवलराम जीतूभाई केळलराम निवनीतलाल केवलराम रक्षकानी और कट्टबा की कर्ता।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती भानुमती जगमोहनदास, मूनिसिपल टोना-मेन्टम, किनरी सिनोमा के सामने, रिग रो, सूरत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया,
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

श्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अनुसूची

मिलकत जो नोद नं 4528-बी., वार्ड नं 4, बोगमपूरा, कार्बर सिंह शंरी, सूरत ग्रंथाविधि तारील 10-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सीगर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाव

अत∴ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थान् :——

तारील : 6-10-1981

्रशारूप आर्घः टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजः।।, अहंग्दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निविश न. पी आर. नं 1195/एक्बी-23-11/81-82
--अतः मुक्ते, जी. सी गर्ग,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चाद 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूच्य 25,000/- रूपए से अधिक हैं
और जिसकी सं. नोद नं 3024, वार्ड नं 7, सयावप्रा है
सथा जो सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत
में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख फरवारी 1981
को पूर्णकेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्चमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिएती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्री हासीम वेज्जी दादा भाई, 7-3025, दादाभाई बिलडिंग सय्यदपुरा, सूरत। (अन्तरिती)
- (2) शैलेशकामार नरात्तम भाई पटल 34, श्रीनीम-केतन सोसायटी, कटरागाम, सूरत। 2. जयेश बाब्भाई पटल, 34 अलकाप्री मोसायटी, सुमुल डैयरी, सूरत। 3. मणिबन माग्भाई पटल, अजाना।

(अन्तरक)

को यह सूच्या जारी करके पूर्वेक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित ह\*, बहुई अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनस ची

मिलकत जो नोद नं. 3024, वार्ड न. 7, सयदपुरा, सूरत यथाविधि फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-्।ा, अहमदाबाद

श्वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के सभीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील : 6-10-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाद्वाद अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्सूबर 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1196/एक्वी-23-।। /81-82 --अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 627, वार्ड नं. 9, वार्ड फिलिया है सध्र जो सुरह में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से धर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण निख्ति में बास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्नरण से हुई िहसी आय की बाबन उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तर ह के धायित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्ठा के लिए;

(1) श्री काशीराम शिवनाथ, वाडी फालिया, चकाबाला शरी, स्रत।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(2) चन्द्राकान्त चुणिलाल गाडवी, किरपाराय महिता कानंचू, गोपीपुरा, सूरत।
(2) कमुमबेन चन्द्राकान्त गाडवी, गोपीपुरा, सूरत।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इत सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दित के भीतर उकत स्थावर प्रश्ति में हिंतबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पओकरग:→इनमें स्युक्त गढ़दों स्रौर पदों हा, जो उक्त ध्रिष्ठिक नियम के अध्यान 20-ह में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उस श्रष्ठमाय में दिया गया है।

## अभूस्ची

मिलकत जो नोद नं . 627, वार्ड नं . 9, वार्ड फलिया, सूरत यथाविधि तारीख 2-2-1981 में रिजसीी की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी अर्जन रॉज-11,अहमदाबाद अर्जन रॉज-11, अहाम्दाबाद

तारीख : 6-10-1981

मांहर:

### प्ररूप आई० टी० एन० एस-•--

# शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के सभीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1197/एक्वी-23-।।/81-82 —-अतः मुक्के, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परजात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीम सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास शरने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-इपए से अविक है

और जिसकी सं. नं. 78-बी है तथा जो मेसोब, कोरायासी, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धम्लदित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से पिछक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्बरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धम्लर कि लिखित में अस्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के प्रायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखन व्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) श्री महोन्द्रा सिन्ह नारसिन्ह, (2) मणाबेन नार सिन्ह गांव घुम बहला, तालूका घीरासी, सूरस।
- (2) भागीदार्ो, विलित मोटोरस, उन पानी, लाल दरवाजा, सरत।
  - दौलतराय गुलाब भाई दोसाई, काटोद्रा तालूक रोज।
  - 2. भासकभाई भानुभाई दोसाई, कदोद्रा तालूक कामरेज,
  - नीरन्जन नटवरलाल देसाई कटीद्रा तालूक काम-रेज।

(अन्सरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षडीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त धिष्ठियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस धक्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो गांव मेगब, ता - चोरायासी, सूरत एस नं 78-बी, यथाविधि फेब्वरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

ता्रीख : 6-10-1981

प्रसप आई॰ टी॰ एन॰ एए०-----

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 28 अन्य (1) के समीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1198/एक्की-23-।।<sup>/</sup>81-82 ----अत. मुभ्ने, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकम शिवकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से धिक हैं और जिसकी सं. नोंद नं. 832-बी, वार्ड नं. 3, हैं। तथा जो सामपा बेजार, नवाप्रा, सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1981

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्त्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सहैश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—
  - (क। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
  - (ख) ऐसी किसीं आय यां किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रश्चित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रन्-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयांत :---

- (1) श्री सहिफी मुसद अतारी पूना।
  - श्री सीराज मुसाङ अटारी, सामपा आजार, सुरत।
  - 2. श्री घोरा मुसाड अटारी, मोर लानड बांम्बे।
  - श्री काकरूदीन मुसाड अटारी, मोर लानड, (अन्तरिती)
- (2) डा. नोमान तयैव भाई मासकटी, वारीया माहाल, सुरत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  भूचना की तामील सै 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन्न के प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के भीस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्य दोगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है

# अनुसूची

भिलकत जो नोंद नं 832-बी, वार्ड नं 3, सायपा बाजार, सुरत यथाविधि फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।।, अहमवाबाद

ता्री**स** : 6-10-1981

मोहर ः

## प्रकृष धार्ष•टी•एन•एस•---

# आयकर **निधान्यन, 1961 (1961 का 43) को** धारा 269-व (1) के प्रधीन सुवना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, अहमवाबाव

अक्षमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1199/एक्वी-23-11/81-82
--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,
आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राविकारी की वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूह्य 25,000/- ६० से धांधिक है
और जिसकी सं. नोद नं. 2342, एफ पी. नं. 241, ह

और जिसकी सं. नोंद नं. 2342, एफ पी. नं. 241, हैं तथा जो टी. पी. एस. 5, वार्ड नं. 13, सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-2-1981 को पूर्वीवत सम्पत्ति के खिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर ह कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिश्व से सिक्त के पन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के चिएसे अन्तरक के लिए तय पाया नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त धन्तरण निधित में वाक्तविक कप से कथित नहीं किया वया है!--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे यजन में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी छन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, लियाने में स्विधा के लिए।

भराः श्रव, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रीबिनियम की घारा 269-व की उपधार। (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्री युसफ ईसमाईल वद, सैयदपुरा, तुराव शोरी सरत।

(अन्तरक)

(2) श्री भरतक्मार विठ्ठलभाई पटेल, नाराव एपार्ट-मेन्ट को -ओ -हैं --मोसाइटी, कैलाशनगर, गोद-वाद रोड सूरत के द्वारा आई -ई, मीरा एपार्टमेन्ट, नानावत, पानडाल नी पोल, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूचौंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ।--

- (क) इस सूजना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की मबधि या तस्त्रंकंकी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मबधि बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जी 'उन्त धिनियम' के धन्याय 20-क में परिणाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं. 13, नोद नं. 2342, एफ. पी. नं. 241, टी. पी. एस. 5, सूरत यथाविधि तारीख 26-2-1981 मे रिजस्टी की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीखः 6-10-1981

प्ररूप आई ० टी • एन० एस०---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्राधीन सूचना

## भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, द्विनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्येश नं. पी. आर नं. 1200 एक्वी-23-11/81-82 अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. आर एस. नं. 660, सी एस. नं. 1774 है तथा जो विश्वक जं को. ओप. सोसायटी लिमिटेड, कारेली-बाग, बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडाँदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखिन उद्देश्य ने उका अन्तरण लिखित में वास्तविक एस से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्नरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्रंधि-नियन के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **धौर/**या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,में, खक्त म्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अभ्रीम, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :--

- (1) श्री मनुभाई राम्कृष्ण भट्ट कारोली बाग, बड़ाँदा। (अन्तरक)
- (2) श्री हितन्द्र बिहारी लाल उपाध्याय 2. उमेश बिहारीलाल उपाध्याय 30, विश्वकुण को. आंण सोसायटी कारेली बाग, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्न व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवदीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उनत ग्रिधितियम क श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा, जो उन ग्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन और मकान जो आर. एस. नं. 660, सी. एस. नं. 1774, से विश्वकुज सोसायटी लिमिटेड, कारोली बाग, बड़ाँदा में स्थित है और बिकी खत नं. 618 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय बड़ाँदा में मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गई है, ये बिक्की खत में सपूर्णतः वर्णित है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

मोहर:

तारीख : 6-10-1981

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चुना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1201/एक्वी-23-11/81-82 --अत: मुफ़्ते, जी. सी गर्ग,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बोर्ड नं. 1, नोद नं. 2165-ए और 2201- (पी) का है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील फरवरी, 1981

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निस्निवित व्यक्तियों सूर्यात् :--

(1) श्री करसी केंबुसरु संहर, कुमीसन केरसी साहर, श्रीमती, फेरम्मीरा मगरबान नानपूरा, मकाईपूल स्रत।

(अन्सरक)

- (2) 1. चेयरमेन : बीपीनचंद्र धीरजलाल गोलवाला,
  - सेकेटरी : जंगितलाल विठलवास, यद्य एपाट-मॅट को. ओप. हाउसिंग सोसायटी।
    - 1. बरानपूरी भागल, सुरत,
    - 2. गोपीपुरा, सुरत।

(अन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तं सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्तित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पेटित में हिंतबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्व गया है।

# वन्स्यी

बोर्ड नं. 1/2165-ए और 2201-ए (पैकी) बानपूरा, सुरत में स्थित मिल्कत, फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गई है। मोहर :

जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

त्रारीख: 6-10-1981

मोहर 🛭

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमवाक्षाव, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1202/एक्की-23-।।<sup>/</sup>81-82 ----अत. मुभ्के, जी. सी गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25 000/ रु. से अधिक है

25 000/ रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. टार्डप-ए, ब्लोक-4, रोड नं. 3, प्लोट नं.
7, हैं तथा को उघना अद्योगनगर, उघना, सूरत में स्थित हैं
(और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
न्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-श को, जणुसरण मों, मों, उक्त अधिनिमय की भारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) रोनुका सील्क मिल्स के हिस्सोदार उघना उद्योगनगर, उघना।
  - 1 शीरीषक मार बाबुभाई गोलवाला,
  - जयश्री दौलीपकुमार गोलवाला, आर.बी. गोल-वाला फेमली ट्रस्ट ट्रस्टी
    - ा. रजनीकान्त बाबुभाई गोलवाला
    - 2. उर्माला रजनीकाँन्त गोलवाला

(अंतरक)

- (2) 1 अब्दालगनी इस्माईल उगवाला
  - 2. हाजराबाई मोहम्मद कासम,
  - इंबाहीम वाली मोहम्मद ,चोक बाजार, सीधीवाड सरत।
  - 4. श्री नूरमोहम्मद मियामोहम्मद भागा तलाब, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षेंक्त सम्मस्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बय्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है ।

# वन्यूची

रफ्रोड नं. पर, टाईप-ए, ब्लोक नं.~4, प्लाट नं. 7 से उपना उधनाभगर, मूरत में स्थित मिल्कत, फरवरी 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारील: 7-10-1981

मोहर:

# प्ररूप बार्च. दी. एन्. एस.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निष्टोश नं. पी. आर. नं. 1204/एक्बी.-23-।।/81-82 --अतः मुक्ते, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोव नं. 231, बौर्ड नं. 10 है तथा जो सूरत मों स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विजत हैं हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1981

को, पूर्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- (1) श्री वार्ष जयमनगौरी हरीशंकर जोशी कलारगाम, सजानंद सोसायटी के पास सुरत।

(अन्तरक)

(2) ए. सी. अन्टरप्राईमीम के हिस्सेवार:

श्रीअजयव हुमार जीतेन्द्र व्यास,

2. श्री चन्द्रकान्स पपटमल शाह बालाजी रांड सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

नोंद नं. 231, बोर्ड नं. 10 से सूरत में स्थित मिल्कत फरवरी, 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-।।, अहमबाबाद

तारीख: 7-10-1981

मोहर :

प्ररूप आह्र .दी. एन. एस. ------

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद-।।, दिनांक ७ अक्तूबर, 1981

निदोश नं. पी. आर. न । 1204 / एक्वी - -32-।। /81-82 ——अत्तः, म्<sub>भ</sub>केजी सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व में मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. नं. 49, फेक्टरी शोड, ही तथा जो मोनगढ, जिला-मुक्त में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्चि में और पूर्ण रूप समे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, व्याश मं र्राजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीस कर्नरी, 1981 को भूर्योवत संपरित के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रशिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का अधित बाजार मूल्य म्ल्प, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहे प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उ**द्दरे**य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या <sup>शि</sup>जेक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थातः —— 6—306GI/81 (1) श्री प्रमूलभाई एम. गांधी वी नेशनल अन्जीनियरिंग कन्स्ट्रक्शन कु. बडाँदा।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल एम शाह के द्वारा दी सैन्ट्रल पल्प मील सानगढ़, सुरता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय. 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

एस . नं . 49 से सोनगढ़, सुरत में स्थित मिल्कत फरवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

तारीख: 7-10-1981

मोहर:

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रज-2, बंबर

बंबर्ड, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्देश स. अ. इं.-2/3176-26/मार्च-81—~अतः म्फ़े, सन्तोष दत्ता, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं . स . नं 263 हि न . 1 और 8 ए सी .टी . एस . सी . 107,7 और 1076 है तथा जो शेलों राजन रांड , बान्त्रा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आयकरं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धनं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) थी स्टॅनिस्लास गोन्सा लिवस

(अन्तरक)

(2) श्री अस्तर हसन रिफावी और श्रीमली मीना हसन रिफावी ट्रस्टीज आफ रोष्मा ट्रस्ट

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिए की उन्नीत ना त्याम्बनी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखिन में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदारेका, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख संस्था 563/80 जाइंट रिजन्ट्रार बम्बई (बान्द्रा) द्वारा दिनांक 23-3-1981 को रिजन्टड किया गया है।

सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>3</sup>ज2, बम्बई

दिनांक : 19-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बंबर्क

बंबई, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

निर्दोश सं अंके 2/3145-3/फेब्रु-81—अतः • मूर्फे सन्तोष दत्ता,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं और जिसकी में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), र्राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हर्डि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

् अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हिन्स माहर अ

(1) श्री जोसंफ थामस फेरीरा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मायकेल जोसेफ फेरीरा 2. कामारी नोरमन प्रेसीस लाईस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उकत स्थावर सम्यत्ति में हितखड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख सं. एस 133/81 उपरजिस्ट्रार बम्बर्झ दुवारा दिनांक 9-2-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी **सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रोज2, बस्बई

दिनांक : 5-10-81

मोहर 🛭

# प्ररूप आइ' विशेष एन् एस व

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के बधीन सुमना

# भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

बम्बई-2, दिनांक 5 अक्तूबर 1981 वम्बई-।।, दिनांक 5 अक्तूबर 1981

निर्देश सं अ ई 3148-6/फेब्र -81--अतः मूर्फे, संतोष दत्ता, मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1092 और 1489 है तथा जो माहीम में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1981

को वृत्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायः गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित ज्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती आईशाबाई हाजी उस्मान

(अन्तरक)

2. श्री हाजी इस्माईल अहमद मुकादम

(अन्<del>तः</del>रिती)

- (1) हाजी अबवूल गनी ईबाहीमभाई
- (2) हाजी अबदूल रजाब मुकादम
- (3) हाजो इस्माईल अहमद मुकादम
- (4) उमेरभाई लतीफभाई
- (5) अतौलाहा जब्बारखान

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी तसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1094/80 उपरिजस्ट्रार, वस्ब $\mathbf{r}$  द्वारा दिनांक 16-2-1981 को रिजस्टर्ड किया गया  $\mathbf{r}$ ।

संतोष दस्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रॅज-2, बम्बई

ता<mark>री</mark>ख . 5-10-1981

मोहर :

# प्ररूप आई. टी. एन. एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पुना-411004

पूना-411004, दिनाक 10 मितम्बर 1981

निद्रेश सं. सी. ए. 5/एम. आर. कल्याण/फेबू. 81/531/81-82—यत. म्फं, शिर्मिकान्त क्लकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्र 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सि. सं नं. 2895 और 2951 ए सं. नं. 91/2 और 140/3 प्लाट नं. 202 है तथा जो रामबाग गली नं. 'ओ', कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 21-2-1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृत के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्ण नन सम्मित का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिगत प्रशिक है और अण्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अगरग के लिए तय गग्ग गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य ने उन्त अन्तरग निब्बत में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री श्रीपाद सर्वोत्तम मृले और रामबाग गली, नं 'आ' कल्याण

(अन्तरक)

2. श्री एम. अं गाडगिल, सचिव, इन्दिरा सहकारी गृह निर्माण सोसायटी मर्यादित, रामबाग गली नं 'ओ', कल्याण, जिल्हा ठाणे

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाक की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशिकरण:--इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदा का, जो उप्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

खूली जमीन और इमारत जो सि. स. नं . 2895 , 2951 ए, स. नं 91/2 , और 140/3 , प्लाट नं . 202 , रामबाग गली, नं . 'ओ' कल्याण में स्थित हैं। जिसका क्षेत्र 252 स्के. यार्ड हैं।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क 383 जो 21/2/81 को दर्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर से लिखा है।)

> शशिकान्त क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना-411004

सारीख : 10-9-1981

मोहर :

. प्रकृष आ**इ**. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>-</sup>ज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्देश मं. मी. ए. 5/एस. आर. वार्ष्ं /फेंब. 81/532/81-82--यतः मृभे, शशिकान्त कुलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. न 18/2 है तथा जो मेटेग्ताड गांव ता

और ज़िसकी सं. न 18/2 है तथा जो मेटग्नाड गांव ता. वाई., जि. सानारा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निवंधक वाई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कि थित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री धोंडर रावजी पवार और सहा श्री शंकर विनोबा चौधरी और बारह श्री बाबुराव नारायण बायलेकर और पांच रा. मेटेगुताड ता. बाहा, जि. सातारा (अन्तरक)
- 2. श्री श्रीनिवास सहादोव साने, वैभव श्रध्दानंद पथ, डॉबिवली (इस्ट), जि. ठाणो (अन्तरिती)

को.यह सृणना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धिक किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापटी जाः सं. नं. 18/2 मेटग्ताड गांवः, ताः. वा**र्हः**, जि. सातारा में स्थित है। जिसका क्षेत्र 1 होक्टर——19 आर कै।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 155 जो 27/2/81 को द्य्यम निबंधक वार्ध, जि. सातारा के दफ्तर में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, प्ना-411004

तारील <sup>-</sup> 10-9-1981 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ .(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्सा, दिनांक 15 सितम्बर 1981,

निदर्भेश स. ए सी. क्यू आर -कल/टी आर.-522/ 80-81/सी.-588---यत म्फे, आई. वी एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बौजार मृत्य 25,000/रु से अधिक हैं . और जिसकी स 56 है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित हैं

और जिसकी स 56 है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1981

को पूर्वान्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिन्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्र प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

· अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन

- श्री मन्तोष क्मार मिल्लक एण्ड आदार्म (अन्तरक)
- 2. मिस राणा निसात, जवाद, एण्ड आवार्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राश
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

56, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 16 कअ 14 छटाक, 30 वर्ग फीट जमीन पर एक तल्ला मकान का अविभक्त रे हिस्सा जी. 10-2-81 तारील म डी**ड** नं. 1-884 अनुसार रिजस्टर आफ एयसुरोन्स का **द**फ्तर में रिजस्ट्रि हुआ।

> आर्इ. वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, कलकत्ता

तारीव : 15-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

विमयितय, सहायक आयकर नागुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरॉज, कलकत्ता

कालकत्ता, दिवाक 23 मितम्बर 1981

सी -32 <sup>/</sup>आर-।। <sup>/</sup>कल /81-82--Ţ ∸यत , म्भो, को स्निहा, भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क्पूरण है कि अथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी स दागन - 95 है तथा जो पटलाली, थाना -मोहोशतला, 24 - परेगणा रिधल ही (और इसमे उपाबदश अन-स्ची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी आर अलिघर परगता 24 में , रजिस्ट्रीकरण ·अधिनियम , 1908 (1908 का 16)औङधीन ,नारीस12-2-81 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गर्झ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपर्ति का उचितः बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कॅमी किरने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्रि) एरेसी किसी अगय या किसी धनया अन्य अपस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विधाक लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निकासिसित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) उपा एटलश हाइड्रालिक इक्विपमेन्ट लि (अन्तरिती)
- (2) श्री सतोष कामार पाल

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की श्रविभ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विव को भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्यित है, वही अर्थहोगाजो उस अध्याय में दिया गयां हैं।

क्षेत्र - 18क 2छ. 10 ब्फ्रू. (खाली) पुटलाली, थाना महोशतला, 24 परगणा एर दौग न 95, ख न 48।

के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।। /कलकत्ता, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता

23-9-1981 तारीस मोहर:

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निद<sup>\*</sup>क सं. ए. सी.-33/आर-11/कल./31-82--यत:, मुफ्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं. दाग नं. 826 है तथा जो चन्दननगर, थाना - महोशतला, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अलिपूर, 24 परगणा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 18-2-81

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्ध्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नितिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में बास्तिक कुए से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ए) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ((1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत ा-- 7—306GI/81

(1) उषा टोलिहायेष्ट लि.

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती मुसिल अकलिमा बीबी और 7 अन्यान्य। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए, कार्यवाहियों करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त काखों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **ज्नुस्**ची

क्षेत्र - 2 बी. 13क. 12छ. 18 वर्ग फुट चन्दननगर थाना -महोत्रातला, 24 परगणा पर स. नं. - 896, दाग नं. 826 और 823.

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज । /कलकत्ता 54, रफीअहमद किववर्द्घ रोज, कलकत्ता-16

ता्रीब : 23-9-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. सी.-34/आर-।।/कल./81-82---यतः मुक्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस्की मं. दार नं. 96 है तथा जो पटलाली, थाना महोश-टोला, 24-परगणा मे स्थित हैं (और इसमें उपाष्ट्य अनुमूची में और पर्णक्ष में वर्णित हैं), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ही. आर. अलिप्र में, रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारील 12-2-81

करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब जरून अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, म<sup>र्च</sup>, जरून अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—— (1) मैसर्स उषा टलीहायस्ट लिमिटेड

(अन्तरिती)

(2) श्री संतोष कुमार पाल

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

# अनुसुची

क्षेत्र - 2 बी. - 4क. - 12छ. 25 व. फ. (क्षेली) पुटलाली, थाना - महोशतला, 24 - परगणा पर, दाग नं. - 95 ख. नं. 84।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्वत, (निरीक्षण) अर्जन रॉज ।।/कलकत्ता 54, रफीअहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीय : 23-9-1981

मोहर ;

श्रुक्षप आई. टी. एन्. एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आध्वत (निर्राक्षण) अर्जन क्षत्र 57-रामतीर्थ मार्ग, लखनउठ लखनउठ, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निवाध न जी. आई आर. सख्या ए-103/अर्जन--अतः, मुफ्ते, अमरसिंह विसेन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी स. 40 प्रिंसिथियेटर है तथा जो का 1/7 भाग हजरतगंज लखनऊ में स्थित है (और इससं उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजरतगंज लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 4-2-1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रितिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में सास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हार्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को अधीन निमनिविद्यु स्मृतितुमी सुर्वास्तः-- (1) श्री मथ्राप्रसाव शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्नपूर्ण देवी

(अन्तरिती)

(3) सर्वश्री दोवीलाल शाह (2) सुन्वर लाल शाह (3) लोलों-यती दोवी (4) बी. दोवी (5) गर्नेश लाल शाह (6) जगदीश प्रसाद तथा मैंसर्स कृष्णा रोस्टोरोन्ट किराये-दार मैंसर्स काफी हाउन्स किरायेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थायनायों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्रेगा है।

# अनुसूची

प्रिन्स थियटेर सनीमा मय भूमि, भवन, फरनीचर, फिटिंग्स फिक्सचर्स मेर्स कृष्णा रस्टोरेन्ट व काफी हाउस इत्यादि स्थित 40 हजरतगंज लखने का 1/7 भाग तथा वह सम्पूर्ण संपित जो संलडीड और फार्म 37-जो संख्या 843/81 में वर्णित है जिनका पंजीक रण सब रजिस्ट्रार लखने के कार्यालय में दिसंक 4-2-1981 को किया जा चुका है।

अगर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनउठ

तारीख : 8-9-1981

मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.-----

नायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वु (1) के अधीन सूचना

## भारत त्रकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57-रामतीर्थ मार्ग, लखनउन सखनउन, विनांक 10 सितंबर 1981

निवोशन नं. जी. आर्द्र. आर. संख्यावी-53/अर्जन—अतः,

मुभे, अमरिसंह बिसेन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

ह्र कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित वाजार मृ्ल्य 25,000/-रु. से अधिक ह्र क

और जिसकी सं. 6 है तथा जो आर्यनगर कालोनी हल्का-चेतगंज वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

विनांक 11-2-1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्थ, उसक दृश्यमान प्रतिफल स. एसं दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अम्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौरू/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, तुम्नुलिखित व्यक्तियों, अधितः ---

- (1) 1 आर्यनगर सहकारी गृह निर्माण समिति वाराणसी द्वारा अध्यक्ष डा. भगवानदास अरोड़ा पुत्र श्री वरकत राम आरोड़ा।
  - 2. नरन्द्र कुमार

(अन्तरक)

- (2) श्री विजय बहादुर सिंह, श्रीमती रूपकला देवी
- (3) उपरोक्त अन्तरिती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सर्विध बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थायन्त्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं. 6 और उस पर बना हुआ। मकान स्थित आर्यनगर कालोनी हल्का चेतगंज वाराणसी शहरवा वह संपूर्ण संपरित जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1280 में विर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-2-1981 को किया जा जुका है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 10-9-1981

मोहर:

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002 नहीं दिल्ली, दिनांक 1 अक्तबर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्कीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2884, -- चुंकि मैं आर. जी. एल. अग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रु. से अधिक ह<sup>2</sup> और जिसकी संख्या प्लाटनं. जे-5 ए हैं एवं जो ग्रीन पार्क, नर्इ दिल्ली मे स्थित ह<sup>र्द</sup>, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नर्हे दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री तेज पाल सिंह सुपृत्र श्री त्रीलोक सिंह बी-3/19, राना प्रताप बाग, विल्ली (अन्तरक)

(2) श्री अविनास बिन्दल सृपृत्र श्री जे. पी. बिन्दल, एफ-59, ग्रीन पार्क, नर्ह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. जे-5 ए, क्षेत्रफल 463 वर्ग गज, ग्रीन पार्क, नहीं विल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

त्रारीख : 1-10-1981

मोहर 🖫

संघ लोक सेवा ग्रायोग

#### मोटिस

# सहायक इंजीनियर (के॰ लो॰ नि॰ वि॰) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982

# नर्ष दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1981

सं० एफ० 15/1/80 प० ] (ख) -- भारत क राजपक्ष दिनांक 31 अक्तूबर, 1981 में निर्माण श्रीर श्रावास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुमार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विष्ठ इंजीनियरों (सिविल/वैद्युत) की महायक इंजीनियरों के ग्रेड (मिविल/वैद्युत) में पदीक्रांत हेतु संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 6 श्रप्रैल 1982 को बम्बर्स, कलकता, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी) इटानगर, काठमांहू, महात, नागपुर श्रीर पोर्ट ब्लेयर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा श्रायोजित की जाएगा।

प्रायोग यवि चाहै तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीववारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे ता भी प्रायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीववार को प्रपनी विक्का पर प्रालग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीववारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) को जानकारी दे दी जाएगी (भ्रमुमंध परा 8 देखिए)।

- इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्निर्णिखन है:--
  - (1) सहायक इंजीनियर (सिविल) 50 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 8 भीर अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 प्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।
  - (2) सहायक इंजीनियर (धैद्युन) 15 (श्र० जा० के उम्मीदयारों के लिए 3 श्रीर श्र० ज० जा० के उम्मीदयारों के लिए 1 श्रारक्षित रिक्रियों सम्मिलित 🖔 ।

उपर्यक्त संख्याभों में परिवर्तन किया जा सकता है।

विशेष घ्यान वें:-- उम्मीदवार जिस ग्रेड भ्रथीत् महायक इंजीनियर (सिविल)
या सहायक इंजीनियर (बैड्रुत) की प्रतियोगिता परीक्षा में
सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने श्रावेदन पत्नों में उसका
स्पष्ट उल्लेख करे।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित मावेवन-पक्ष पर सिचव, संख लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई विल्ली-110011 को झावेवन करना चाहिए। निर्धारित भावेवन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण वो स्पए देकर भायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, मई बिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, को मई विल्ली जनरल डाकघर पर वेय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए आएंगे। ये धावेवन-प्रपन्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए आ सकते हैं।

दो स्पए की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:--उम्मीदलारों को चेताबमी दी जाती है कि वे प्रपने प्रावेशनपत्न सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित
विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1982) के लिए निर्धारित
मृद्धित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के० लो०
नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982 के लिये
निर्धारित ग्रावेबन-प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर प्रस्तुत मानेबनपन्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4 भरा हुआ आवेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ गांचव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को 14 विसम्बर, 1981 (14 विसम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेथालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार श्लीप समृह् या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीववारों के या जिनके धावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 28 दिसम्बर, 1981) तक अवश्य भिजवा विया जाए। निर्धारत तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रसम, मेघालय, ध्रक्षणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू धौर कथमीर राज्य के लक्षाख प्रभाग, धंडमान धौर निको-वार द्वीपममूह या लक्षत्रीप श्रौर विदेशों में रहने वाले उम्मीक्षारों में ध्रायोग यदि वाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 दिसम्बर, 1981 से पहले किस तारीख से ध्रमम, मेघालय, ध्रक्णाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागलैंड, त्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू धौर कथमीर राज्य के लहाख प्रभाग, ध्रडमान धौर निकोबार द्वीप-समृह या लक्षत्रीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी:--जो उम्भीववार ऐसे क्षेत्र के हैं जो जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवे-वन पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकवार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कक्ष्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हों सकता है कि उन्हें अतिरिक्त गमय का लाभ न मिले।

5 परीक्षा में प्रवेश चाह्ने वाले उम्मीदवारों की भरे हुए प्रावेदन-पत्र के साथ ग्रायोग को रु० 28.00 (ग्रहाइस रुपए) [अनुसूचित जातियों भीर प्रमुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपए)] का णुरू भेजना होगा जो कि सचिव, सच लोक मेवा प्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकचर पर देय रेखांकिन भारतीय पोस्टल ग्राडेंग्या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ग्राप्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले जम्मीदवारों को निर्धारित शुस्क भारत के उच्च भागुक्त, राजवूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा भागोग---परीक्षा शुस्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो आए भीर उन्हें प्रावेदन पन्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन भावेदन-पहों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वी-कार कर दिया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुरुक का भुगतान कर विया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 15.00 (पंद्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामने में रु० 4.00 (चार रुपए)] वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यावस्था को छोड़कर प्रत्य किसी भी स्थिति में प्रायोग को भूगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न सो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी भ्रन्य परीक्षा या चयन के लिए भार-कित रखा जा सकेगा।

7. ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के श्रनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

विनय हा, संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा मायोग ধন্ধগ

# उम्मीदवारों को अन्देश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रावेदन-प्रपत्न भरने से पहले मोटिस झौर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैटने के पान भी हैं या नहीं, निर्धारित गतौं में छूट नहीं थी जा सकती है।

आविदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नीटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का रुक्छुक है, अंतिम रूप से चून लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्थीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को एस बात का पूरा औजिन्य बनाते हुए एक पल रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भैजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवक्षा के शाधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 6 मार्च, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्थीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को स्रावेदन प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाम से प्रेस्पाही से या बाल प्वार्डट पैन से ही भरने चाहिए। प्रधूरा या गलत भरा हुआ स्रावेदन-पन्न भ्रस्वीकार कर विया जाएगा।

उम्मीदबार यह ध्यान रखें कि धावेदन पल भरते समय उन्हें भारतीय धंकों के केवल धंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कृत छोड़ने के प्रमाण-पल या इसके समकक्ष प्रमाण-पल में जन्म की तारीख हिन्दी धंकों में दर्ज है तो भी उम्मीववार यह सुनिष्चित कर ले कि वे धावेदन प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय धंकों के केवल धंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विषेष सावधानी धरतें कि धावेदन पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट धौर सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां धपाठ्य या ध्रामक है तो उनके निर्वचन में होने वाली ध्रांति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि आयोग आवेदन पत्न में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्न व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन पत्न सही रूप से भरने के लिए विशेष साब-धानी वरतनी चाहिए।

जम्मीदवार प्रपना धावेबन-पक्ष प्रपने विभाग था कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करें जो धावेदन-पक्ष के घन्त में पृष्ठीकन को भर कर उसे भागोग को भेज वेंगे।

- उम्मीदबार को अपने आवेदन-पक्त के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:----
  - (i) निर्धारित शुरूक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल भार्डर या बैंक क्राफ्ट (वेखिए नोटिस का पैरा 5)।
  - (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट भाकार (लगभग 5 सें मी०×7 सें० मी०) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियां।
  - (iii) जहां लागू हो बहां धनुसूचित जाति/धनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की ध्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iv)]।
  - (iv) भरा १९ मा उपस्थिति-पत्नक (मावेदन प्रपन्न के साथ संलग्न)
  - (V) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० ग्राकार के दी बिनाटिकट लगे लिफाफे जिनपर ग्रपनापतालिखा हो।

टिप्पणी (i) :-- उम्मीववारों को भ्रपने झावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद
(iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही
प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपितत भ्रधिकारी
द्वारा अभिप्रमाणित हो भ्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही

प्रमाणित हों ! लिखित परीक्षा के परिणाम सम्भवतः
सितम्बर, 1982 में घोषित किए जाएंगे। जो जम्मीदवार
परीक्षा-परिणाम के श्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण देवु
साक्षात्कार के लिए श्रहेता प्राप्त कर लेते उन्हें उपर्युक्त
प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। जम्मीववारों
को साक्षात्कार के समय उक्त प्रमाण-पन्न मूल रूप में
प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो जम्मीवबार जस समय अपेक्षित प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत
नहीं करेंगे जनकी जम्मीववारी रह् कर दी जाएगी
ग्रीर जनका ग्रागे विचार किए जाने का दावा स्थीकार
नहीं होगा।

हिष्पणी II :--- ग्रावेदन पत्नों के साथ भेजी गई प्रमाण-पत्न की ग्राध-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदयार को हस्ताक्षर करने होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होगी।

- 4. पैरा 3 की मद (i) से (iii) तक उस्लिखित प्रलेखों के विवरण मीचे दिए गए हैं,
- (i) (ग) निर्धारित णुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल भ्राउंट प्रत्येक पोस्टल भ्राउंट श्रानवार्यतः रेखांकित होने चाहिए भौर उस पर "मिचन, संघ सोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर वेय" लिखना चाहिए।

किसी अन्य प्रकार पर देय पोस्टल धार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए आएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल धार्डर भी स्वीकार नहीं किए आएंगे।

सभी पोस्टल ग्रार्डरों पर जारी करने याले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

जम्मीदवारों को यह ध्रवस्थ नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल ध्रार्धर न तो रेखांकित किए गए हों भीर न ही सिवद, संघ लोक सेवा ध्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

# (ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित बैंक ब्राफ्ट :----

बैंक झाफट स्टेट बैंक झाफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए भीर वह सचिव, संघ कोक सेवा शायोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखोंकित किया गया हो।

किसी प्रत्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्थीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। टिप्पणी:—- उम्मीदवारों को प्रपने ग्रावेदन-पक्ष प्रस्तुत करते समय बैंक श्राफ्ट की पिछली श्रोर सिरे पर श्रपना नाम तथा पत्ता लिखना चाहिए। पोस्टल श्रावेरों के मामले में उम्मीदवार को पोस्टल श्रावेर के पिछली श्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर श्रपना नाम तथा पत्ता लिखें।

फोटो की दो प्रतियां : - उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें री एक प्रति आवेदन-प्रपक्ष के पहले पृष्ठ पर और कूभरी प्रति उपस्थिति पत्नक में दिए गए स्थान पर चिपका देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी ध्रनुसूचित जाति या ध्रनुसूचित जम जाति का होने का वावा करे तो उसे प्रपने दावे के समर्थन में उस जिले कें, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) ध्राम तौर से रहते हों, जिला श्रिधकारी या उप मण्डल ग्रिकिकारी या निम्मिलिखत किसी ध्रन्थ ऐसे श्रीकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह

12304	मरित का राजपत्त, श्रवतूबर 31, 
हो, नीचे दिए गए फार्म प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुर पिता बोनों की मृत्यु हो ग	हे लिए सक्षम भ्रष्ठिकारी के रूप में नामित किया में प्रमाण-पक्ष लेकर उनकी एक श्रक्षिप्रमाणित/ त करभी चाहिए । यदि उम्मीदवार के माता भीर है हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिन्ने के श्रधिकारी प्रहां उम्मीदवार श्रपमी शिक्षा से भिन्न किसी भन्य रहता हो।
भारत सरकार के	प्रधीन पदों पर नियुक्ति के लिए <mark>ग्रावेदन करने</mark>
वाने प्रमसूचित जातियों	भौर भनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा
प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमा	णपत्र का फार्मः

	ी* जो गीव/कस्ब 
	के/की* निवासी <b>१</b>
	─────────────── जाति/जन*
आति वे	r/की* हैं जिसे निम्नलिखित के श्रधीन श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित*
जन जाति	के रूप में माध्यता दी गई है।
	के रूप में माध्यता वी गई है। (अनुसूचित जातियां) झावेश 1950।*
संविधान	•
संविधान संविधान (	(बनुष्ट्चित जातियां) बावेश 1950।*

[अनुसूचित जातियां भीर अभुसूचित अन जातियां सूची (आशोधन) भावेग, 1956, बम्बई पुनर्गठन स्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन स्रधि-नियम, 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य मधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठम) प्रक्षिनियम 1971 तथा धनुसूचित जातिया धौर धनु-सूचित जन जातियां भावेश (संशोधन) मधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] ।

संविधान (अम्मू और कश्मीर) धनुसूचित जातियां भावेश, 1956 संविधान (बंडमान बौर निकोबार (द्वीपसमूह) बनुसूचित जन जातियां बावेश 1959 I

[भ्रमुस्चित जातिया तथा भ्रमुस्चित जन जातिया भादेश (संशोधन) ग्रधि-नियम 1976 कारा यथा संशोधिस]।

संविधान (वादरा भीर नागर हवेली) अनुसूचित जातियां भावेश, 1962।\* संविधान (वादरा और नागर हवेली) धनुसूचित जन जातियां, धावेश, 1962 1\*

कंबियान (पांडिचेरी) प्रमुसूचित जातियां भावेश, 1964 I\*

संविधान (भ्रनुस्चित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) भावेश, 1967।\*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) श्रनुसूचित जातिया आदेश, 1968।\*

संविधान (गोवा, दमन सथा दियु) अनुसूचित जन जातियां घादेश, 1968।\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातिया आदेश, 1970।\*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति पादेश, 1978।

संविधान (सिविकम) धनुसूचित जन जाति बावेश, 1978 I

2. श्री/श्रीमती/कुमारी <b>*</b>	
भौर/या* उनका परिवार भ्रामतौर गां	व*/कस्बा*
जिला/मण्डल <sup>*</sup>	में राज्य/संब*
राज्य क्षेत्र	में रहते/
रहती <sup>क</sup> है ।	• •
	हस्ताक्षर
	**पवमाम
स्थाम	(कार्यालय की मोहर सहित)
तारीख	

राज्य/संय\* क्षेत्र

\*ओ शब्द लागून हो सो कृपयाकाट ६ँ।

नोट :--यहां प्रयुक्त "भाम तौर से रहते/रहती हैं" का बार्य वही होगा जो "रिप्रजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम **भ**ष्टिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रितिरक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/विप्टी किम-श्नर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रैट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रसिस्टेंट किम-

(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम भोहदे का नहीं)।

- (ii) जीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीणनल जीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसिप्टेन्सी मजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेकेन्यु प्रफसर जिसका भोहवा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिबीजनल अपसर जहां उम्मीववार और/ या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
- का सम्बद/डैवलपमेंट अप सर, (v) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर लक्षद्वीप ।

s्यान वें :~-अम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि यदि भावेदन पक्त के साथ उत्पर पैरा 3(ii) में उल्लिखित प्रलेख कंलान न होगा और उसे न मैजने का उचित स्पण्टीकरण भी महीं दिया गया होगा सो मावेदम-पत्न भ्रस्थीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई श्रपील नहीं सुनी जाएगी । यदि कोई प्रलेख आवेदन-पन्न के साथ न मेओ गए हों तो उन्हें भावेषनपन्न भेजने के बाद भीध्र ही भेज चाहिए ग्रौर वे हर हालत में भ्रावेदन-पन्न प्राप्त करने के लिए नि-अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के - ाय में पहुंच जाने चाहिए । यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पन्न अस्वीकार कर विया जाएगा।

5. उम्मीववार को चेलावनी वी जाती है कि वे मावेवन-पत्न भरते समय कोई झुठा ब्यौरा न दें ग्रथना किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

जम्मीदवारों को यह भी घेतावनी वी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख भणवा उनकी प्रति की किसी प्रविध्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें ग्रौर न कोई। फीर अवल करें भौर न ही कोई फेर्अवल किए गए झूटे प्रलेख प्रस्तुत करें।

 झावेदल-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर वेरी के कारण के क्रप में यह तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि ग्रावेदन-प्रपन्न ही ग्रम्क तारीख को मेजा गया था। भ्रावेदन-पत्न का मेजा जाना ही स्वतः इस बात को सूचक न होगा कि ग्रावेदनब-पक्ष पाने वाला परीक्षा में बैठने भापात्र हो गया है।

7. प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रायेवन-पत्न जिसमें वेर से प्राप्त प्रायेवन पत्न भी सम्मिलत है की पावती वी जाती है तथा धावेवन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीववार को प्रायेवन पंजीकरण संख्या सूचित कर वी जाती है। यदि किसी उम्मीववार को उक्त परीक्षा के प्रायेवन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रांतिम तारीख से एक मास के प्रत्यर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल धामीग से पावती हेतु सम्मक करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीववार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 8. इस परीक्षा के प्रत्येक इम्मीववार को सक्त भावेषण-पक्ष के परिणाम की सूचना यसाणीध्र दे दी आएगी। किन्सु यह नहीं कहा जा सकता
  कि परिणाम कब सूचित किया आएगा। यदि परीक्षा के शुक होने की
  तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीववार को अपने आवेदन-पन्न के
  परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो
  परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित
  करना चाहिए। यदि उम्मीववार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले
  मैं विचार किए जाने के वाबे से बंचित हो जाएगा।
- परीका में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ कीक सेवा झायोग से कोई याता भत्ता प्राप्त करने के हकवार नहीं हैं।
- 10. ग्रावेदन-पत्नों से संबद्ध पत्न व्यवहार:--भ्रावेदन पत्नों से संबद्ध सभी पत्न ग्रावि सचित्र, संघ लोक सेदा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, ग्राहजहां पोड, नई दिल्ली-110011 को मेजे जाएं तथा उनमें मीचे लिखा भ्यौरा ग्राविश्रा कर से दिया जाए:--

- (1) परीक्या का नाम
- (2) परीक्षाका महीना भीर वर्ष
- (3) उम्मीववार की भावेषन पंजीकरण संख्या/रोस नम्बर भाषता जन्म की तारीख याँव शैल नम्बर सुचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवारका नाम पूरा तथा बड़े शक्षरों में।
- (5) धावेदन पन्न में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

विभोष स्थान वें (i) --जिन पत्नों सादि में यह स्थौरा नहीं होगा, संसवतः उन पर स्थान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ज्यान (ii):--यदि किसी अस्मीवनार से कोई पत्न/संप्रेषण परीक्षा हो चुकले के श्राद प्राप्त होता है तथा असमें असका पूरा नाम व अनुकमांक नहीं हैतो जिस पर ज्यान न वेते हुए कोई कार्रवाई नहीं की आएगी।

11. पते में परिवर्तन :--उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके झावेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पक्ष झावि, झावक्थक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर झायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाणीझ दी लानी चाहिए। यद्यपि झायोग ऐसे परिवर्टनों पर झ्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किस्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1981

No. A. 38013/1/81-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri I. J. Sharma, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government ser-

vice, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1981 in terms of Department of Personnel & A.R. O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI, Under Secy. Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the October 1981

No. K-13/71/AD.V.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officer substantively to the post of Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Department of Personnel & A.R. with effect from 20-10-1977.

S. No.	Name of the officer	 	•		 Present place of posting	Rank in which already permanent in CBI
1.	Shri Kartar Singh			•	GOW/Delhi	Inspector

#### The 12th October 1981

No. A. 35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police. Special Police Establishment, hereby appoints Shri Debi Prasad Roy, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on denutation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW Calcutta, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st September, 1981 until further orders.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E)/C.B.I.

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 3rd October 1981

No. O. II-1602/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Kumar as General Duty Officer Grade-

II (Deputy Supdt. of police/Coy. Commander in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from forenoon of 14th Sept. 1981 subject to his being medically fit

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 1st October 1981

No. E.-38013(4)/16/81-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector R. S. Srivastava to officiate as Assistant Commandant, on ad-hoc basis, in the CISF w.e.f. the date he assumes charge of the said post.

2. The above appointment is purely temporary and is liable to be terminated without notice.

SURINDRA NATH, Director General/CISF

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS (M.P.)

Dewas, the 30th September 1981

F. No. BNP/C/5/81.—In continuation to this Department's notification of even number dated 28-4-81 and 24-5-81, th ad-hoc appointments of the following officers are hereby extended upto the date shown against each on the same terms and conditions:—

S. No.	Namo				 Post to which adhoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appointment continued
1.	S/shri V. Venkataramani			•	Technical Officer (Printing & Platemaking)	31-12-81
2.	R. C. Agrawal .				Do.	Do.
3.	Ashok Joshi .				Do.	Do.
4.	A. D. Deshpande .		•	•	Do.	Do.

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENRAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st October 1981

No. CA.I/323-69.—On his attaining the age of superannuation Shri A. N. Prabhushamppa, Audit Officer (Commercial)

serving in the office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore retired from service with effect from 31-10-1980 A.N.

#### The 6th October 1981

No. CA.I/106-80.—The Addl. Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint the following Section Officers (Commercial) of the offices mentioned in column 3 below who are on deputation on foreign service to the organisation mentioned in column 4 below to officiate as Audit Officers (Commercial) under the "NEXT BELOW RULE" with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the C	Officer			 	Office to which belonging	Office where working on deputation	Date of promotion
1.	S/Shri J. Jaggayya		•	•		Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Andman & Nicobar Administration Port Blair.	31-10-80
2.	S. K. Gupta				•	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi.	Indian Drugs Pharmaceuticals Ltd., Gurgaon.	31-10-80
3.	S. R. Das			-	•	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Calcutta Metropolitan Developmen Authority Calcutta.	t 1 <del>-4-</del> 81

#### M. A. SOMESWARA RAO, Deputy Director (Commercial)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I & $\mbox{\scriptsize K}$

Srinagar, the 7th October 1981

No. Admn. 1/60(88)/81-82/4138-45.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has promoted Shri M. L. Bhat, a permanent Section Officer, as Accounts Officer in an Officiating Capacity with effect from 6-10-1981 (forenoon) in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/-.

H. P. DAS

Senior Deputy Accountant General (A&E)

# MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 14th October 1981

No. 12/165/61-Admn. (G).—The President is pelased to permit Shri C. R. Pakrashi, Asstt. Industrial Designer in Small Industry Development Organisation to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1981, on attaining the age of superannuation.

No. A-19018/221/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Kumar, Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries as Deputy Director (Glass/Ceramics) on ad hoc basis in the same office with offect from the forenoon of 11th September, 1981.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 24th September 1981

No. 3/1/80-SIII Vol. I.—Consequent upon his promotion Shri R. C. Aggarwal, Sr. Engineering Assistant has assumed the charge of the post of Asstt. Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar in a temporary capacity w.e.f. 2-7-1981 (FN).

# The 25th September 1981

No. 10/22/79-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. Mathew, Sr. Engineering

Assistant (on reversion from Cabinet Sectt. where he was on deputation) to officiate on promotion in the cadre of Assit .Engineer, All india Radio, and post him at All India Radio, frivandrum with effect from the atternoon of 4-8-1981, until turther orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 12026/2/80-(HQ)/Admn, I.—Shri C. Dabral, Deputy Director (Library) and Shri A. G. Patil, Additional Deputy Assistant Director (Library) in the National Medical Library are reverted as Additional Deputy Assistant Director (Library) and Librarian Grade I respectively with effect from the forenoon of the 27th August, 1981.

# The 1st October 1981

No. A. 12025/13/80-(NTI)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Venkata Reddy to the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th September, 1981 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

# New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 19018/21/81-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kumari) Purnima Sadhoo to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd July, 1981.

# The 3rd October 1981

## CORRIGENDUM

No. A. 19018/19/80-CGHS. I.—In this Directorate's notification No. A. 19018/19/80-CGHS. I dated the 6th March, 1981, for the name Dr. (Miss) Ravindra Tondon Karthy' read the name 'Dr. (Miss) Ravindra Dinanath Tondon.'

No. A. 19018/28/80-COHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Samantarai Solen to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government of Homoeopathic Physician in the Central Government of Homoeopathic Physician in the Central Government of Homoeopathic Physician Company (1981) (forenoon) until further olders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

#### New Delhi, the 1st October 1981

No. 6-42/80-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Koy, in a substantive capacity to the post of Director, in Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from 1/th April, 1980.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Paridabad, the 30th September 1981

No. A. 19025/19/81-AIII.—Smt. Surinder Kaur, Senior Inspector (Group 1) has been appointed to officiate as Assit. Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at New Delm, on ad noc basis, w.e.i. 11-9-1981 (F.N.), until turner orders.

#### The 13th October 1981

No. A-19025/54/81-A. III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Bheemsenacharya Purohit has been appointed to officiate as Assit. Marketing Officer (Group 1) in this Directorate w.c.f. 24-9-81 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Advisor

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th September 1981

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Krishnamurthi Viswanathan, permanent Section Officer(A) from the Office of the Joint Contioner of Defence Accounts, Secunderabad on deputation as Assistant Accounts Officer in BAKe in the scale of pay of Ks. 650—30—/40—35—880—EB—40—960/with effect from September 10, 1981 (FN) to September 9, 1982 (AN).

# The 22nd September 1981

### CORRIGENDUM

Ref. No. PA/79(11)/79-R-III.—In partial modification of notincation of even number dated June 11, 1981, regarding the appointment of Shii Kartarsingh Gopalsingh Viswaney to officiate as Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from June 1, 1981 until turther orders, the surname may be amended to read as "VASWANI" instead of "VASWANEY".

# The 3rd October 1981

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Stanley Valsalan, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of September 23, 1981 until further orders.

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Basavantayya Shivalingayya Huligerimath, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre at PREFRE, Tarapur to officiate as Security Officer in this Research Centre at

Bombay with effect from the forenoon of September 28, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

#### Bombay-400085, the 23rd September 1981

No. Ref. 5/1/81-Estt.II/3881.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. R. Shiwle, Asstt. Security Officer to officiate on an ad hoc basis as Security Officer for the period from 4-6-1981 FN to 4-7-1981 AN.

O. P. BATRA Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 1st October 1981

No. NAPP/Adm./(261)/81/S/11808.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shrl S. K. Rastogi, a Quasi Permanent Draughtsman 'B' of Power Project Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 5, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA Administrative Officer for Chief Project Engineer

## DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 3rd October 1981

No. Ref. 23/9/77-Est./Vol.II/19257.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, Government of India appoints Shri Babulal Mohanlal Ganatra, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc basis with effect from the forenoon of May 11, 1981 upto the forenoon of September 14, 1981 in the Kota Regional Accounts Unit of the same Directorate vice Shri P. S. Rao, Accounts Officer-II granted leave and transferred to Bhaba Atomic Research Centre.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

# RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 3rd October 1981

No. RAPP/Rectt./9(9)/81/S/32.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. C. Shah, a permanent Upper Division Clerk of Rajasthan Atomic Power Station and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 28th September 1981 until further orders.

M. D. GADGIL Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the

October 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Israr Husain Israili as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of September 7, 1981 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

### HEAVY WATER PROJECTS

#### Bombay-400008, the 30th September 1981

No. 05012/R5/OP/5739.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadammuttu Pachupillai Radhakrishnan, a temporary Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis w.e.t. July 1, 1981 (FN) to August 4, 1981 (AN) vice Shri V. B. Swamy, Assistant Accounts Officer, repatriated to his parent office.

R. C. KOTINKAR Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 24th September 1981

No. A.32014/1/80-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Delhi Airport, Delhi.

Sl. No., Name and Date

- 1. Shri K. M. Mehta-20-8-81.
- 2. Shri Balwant Rai-20-8-81.

S. GUPTA Dy. Director of Administration

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

# Madras, the 6th July 1981

#### Customs/Establishment

No. 9/81.—Shri M. Packiam, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 3-7-81 A.N. in a temporary capacity and until turther orders. He will be on probation for a period of two years.

## The 21st July 1981

No. 11/81.—Smt. Elsi Thomas, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 15-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. She will be on probation for a period of two years.

## The 5th August 1981

No. 12/81.—Shri G. Kalyana Raman, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 27-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

## The 26th August 1981

No. 13/81.—S/Shri L. V. Menezes, T. R. Govindarajan and A. Vaudevan are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) on a regular basis with effect from 13-7-81 F.N. in the Madras Custom House.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

### CENTRAL WATER COMMISSION

### New Delhi-22, the Ist October 1981

No. A-19012/533/75-Estt-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S. No.	Name of officer with	ı desi	gnatio	n			· · · · ·	Date of assumption of charge as EAD/AE	where posted	
	S/Shri									
1.	C. K. M. Nambiar Supervisor	•	٠	•	•	•	•	14-8-81 (FN)	F.C.D. I Dte.	
2.	N. L. Vaghela . Supervisor	•	•	•	٠	•	•	10-9-81 (FN)	G.D. II Dte.	
3.	Madan Gopal Arora Supervisor	•	•	٠	•		•	14-8-81 (FN)	T.D. Dte.	
4.	A. B. Thammiah . Supervisor	•	•	•	•	•		24-8-81 (FN)	C.S.M.R.S.	
5.	B. B. Mathur . Supervisor		•	•	•		•	27-8-81 (FN)	F.E. Dtc.	
6.	S. C. Chopra . Supervisor	•	•	•	•	•	٠	11-9-81 (FN)	P & I Orgn. (EXHIBITION CELL)	
7.	G. K. Swamy . Supervisor	•	•	•	•	•	•	11-9-81 (FN)	Reservoir Sedimentation Dte.	

A. BHATTACHARYA, Under Secv.

#### New Delhi, the 3rd October 1981

No. A.19012/1(5)/81.Estt.I.—Chairman, CWC hereby appointed Shri P. K. Gupta, Senior Professional Assistant (Hydromet) to the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, w.e.f. the 7th September, 1981 (F.N.) for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA Under Secv.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES (COMPANY LAW BOARD)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vandana Pictures Limited

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1270.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vandana Pictures Limited has this day been struck off the Register and the saiad company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September, 1981

No. STAT/1370.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1497.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Sital Financer Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1643.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sital Financer Private Limited has this day been struck of the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kiwi Shawls Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1730.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kiwi Shawls Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT, Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 618/4627/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Universal Nuts and Bolts Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 15458/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Universal Nuts and Bolts Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. N. K. Traders Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 619/19349/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. S. N. K. Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 620/19454/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Beeta Chem Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 617/12141/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Beeta Chem Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mannsfold Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 470/13758/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mannsfold Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Swastik Properties Private Limited

Bombay-2, the 12th October 1981

No. 15302/560(2).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Swastik Properties Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shamrock Products Private Limited

Bombay, the 12th October 1981

No. 469/5472/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Shamrock Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay.

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III-2-81/2884.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-5A, situated at Green Park Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tej Pal Singh S/o Shri Trilok Singh r/o B-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shri Avinash Bindal s/o Shri J. P. Bindal r/o F-59, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. J-5A, measuring 463 sq. yd. Green Park Extn., New Delhl.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR/III/2-81/2927.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

E-258, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pradeep Kumar Khosla s/o V. R. Khosla (Vidya Sagar Khosla) 115/6, Corniwalas Street, Calcutta-4.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Kant Soni & Sh. Suresh Kant Soni both sons of late Sh. M. K. Soni r/o 712, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. E-258, measuring 213 sq. yd. Greater Kallash-I, N. Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

Scal

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2838,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3, situated at Sadhna Enclave, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aforesaid property by the issue of this notice under subcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
9—306GI/81

(1) Shri V. IF. Kulanday r/o 3. Sadhna Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Subha Lakshmi Khan 1/0 C-38, Panchsheela Fnclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sadhna Enclave, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Hurry Lal Goburdhan s/o late Ram Prashad Goburdhan r/o C/15, Chirag Enclave, New Delhi through attorney Smt. Usha Goburdhan.

(Transferor)

(2) Shri Arun Mittal, 5/0 Shri V. B. Mittal, r/0 A-3, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/283J.—Whereas 1 R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3 Block 'N', situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other panets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block 'N' measuring 309 sq. yd. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2902.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-296, situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. S. Raghunathan s/o late Sh. A. S. Iyengar, r/o B/5/133, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o late Sh. Amar Nath Kainath r/o F-128, Village Mohammadpur, Near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. S-296, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. H BLOCK, VIKAS BH VVAN. I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2898 —Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-469, situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Jacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis Swarna Sehgal and Mrs. Sangeeta Chopra D-289 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Di. Raj Kumar Dogia and Mr. Paikash Dogia, G-51, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-469, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date · 1-10-81

Scal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN
I. P FSTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-81/2877.~-Whereas I, R. B. L. AGGARWAI ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

C-18, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration vet, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shii Prem Patnaik s/o B. Patnaik 1/o No. 2, Central Avenuue, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Amat Ali, Hasham Ali s/o Hashmat Ali and Nasii Ali (minor) through his father Shii Hashmat Ali i/o 1335, Kalan Mahal, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 da s from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

H No. C-18, measuring 200 sq. yd. Nizamuddin West, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, H BI OCK, VIKAS BILAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC'/Acq.I/SR-III/2-81/2887.--Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-168, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sheila Singh w/o Late Thakur Bhagirath Singh, D-168, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mukti Roy w/o Sh. Amal Kumar Roy and Sh. Amal Kumar Roy s/o Late Dr. Lalit Kumar Ray, r/o C-162, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. D-168, Defence Colony, New Delhi, area 325 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# ()FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-81/2928.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-68, situated at N.D.S E. Part-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpa Sethi w/o Shri S. P. Sethi, r/o 28, Lucknow Road, Delhi.

(Tiansferor)

(2) Smt. Ved Kaur w|o Sardar Sajjan Singh r|o E-28A, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A-68, N.D.S.E. Part-II, New Delhi, 250 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

Seal .

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. 1AC/Acq. 1/SR-III/-81/2830. -Whereus I, R. B. L. AGGARWAL,

pring the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvemental property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-13, situated at Mayfair Carden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Asha Bhawnani w/o Mr. Hira Lal Bhawnani through attorney Mr. Badal s/o H. Uttar, r/o B/2/3, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mahtani Mohini Thakurdas and Mr. Mahtani Thakurdas sjo Sh. Nariandas rjo B-60, Mayfair Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

CXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. B-13, in Mayfair Gardens, the Compolitan Co-op Housing Society I td., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-10-81

#### (1) Sh. Gurvinder Singh Khuiana, E-118, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Javaid Bhai & Co. Pvt. Ltd., S-42, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2892.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-42, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10—306GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. S-42, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, II BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2897.—Whereas J. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-1/12, situated at Vasant Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Chandra Bhushan, 26 Shiv Tirth I Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

(Transferor)

 Mrs. Shail Jam, 2600, Chhatta Pratap Singh, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-1/12, Vasant Vihar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2910.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-E-83, situated at N.D.S.E. Part-I, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering New Delhi in February, 1981 Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. S. D. Verma, s/o late Sh. Hemraj Verma, r/o E-83, New Delhi South Extension, Part-I, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Tufal Ahmed 5/o Sh. Abdul Lattife, & Mohd. Iqbal Ahmed, s/o Tufal Ahmed, House No. 3189, Kucha Paudit, Lal Kuan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E-83, area 200 sq. yd. New Delhi South Extention, Part-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGF-1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi; the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2912.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-221, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Sita Ram Anand \$/0 Shri Uttam Chend Anand,
 r/0 109, Victoria Road, Jabalpur,
 through G/A Air Cdre. A.R. Anand.

(Transferor)

(2) Dr. Suresh Mahajan s/o Dr. M. R. Mahajan, r/o 15571, Seven Pines Avenue, USA through Mrs. Swaran Lata Gupta G/A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. D-221, Defence Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

Scal:

FORM LTNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2821.—Whereas No. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-252, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Pawan Kumai Chandoke s/o Sh. J. R. Chandoke, r/o E-116, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Sh. Radha Kiishan Gupta s/o Lala Raghber Dayal Gupta, Smt. Bimla Gupta w/o Radha Krishan Gupta, r/o E-252, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E-252, measuring 211 sq. vd. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No: IAC/Acq. 1/SR-III/2-81/2840.—Whereas I, R. B. 1. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing No.

E-39, situated at Kalindi Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration an dthat the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the secretary property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sh. Tara Chand s/o Rama Naud, r/o 13, Mumcipal Flat, Kamla Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Aggarwal, s/o Shri Dalip Singh Aggarwal, and Smt. Sneh Aggarwal w/o Shri Suresh Aggarwal, r/o 678/1, Bimla Bhawan, Kabool Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-39, measuring 418 sq. yd. Kalindi, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Smt. Daya Wanti, Mis Sanjivni (minor) 704-707, Chandi Mahal, Darya Ganj, Delhi

(Transferor)
(2) M/s. Saraswati Builders Phase-II, N. Delhi,
G1/16, Darya Ganj, Delhi through
Sh. Satish Seth, M. Partner.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1, SR-111/2-81/2843,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

P/34, situated at N.D.S.E. II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerding Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. P/34, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

\*OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUÌSITION RANGE-1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2481/2911.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

11/90, situated at Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February 1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Rallias India Ltd.
   Through its attorney Shri Amar Nath Piyare Lal
   R/o No. 13, Jaipur Estate, Nizammuddin, East,
   New Delhi.
- (2) M/s. Rajiv Motors Pvt. Limited, 11/90, C. Circus, New Delhi.

(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 11/90, Connaught Circus, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H Block, Inder Prastha, Estate, New Delhi

Date: 1-10-81

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1188 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 326 Sector No. 22, situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 26-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

11-306GI/81

 Lalbhai Chaturbhai Patel and Madhuben Lalbhai Patel; Sector No. 22, Gandhinagar.

(Transferee)

(2) Shri R. J. Patel; Sector No. 22, Plot No .326, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 326, Sector No. 22, situated in Gandhinagar Town Ship and as fully described as per sale deed No. 309, registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 26-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 5th October, 1981

#### FORM ITNS----

 Patel Rameshbhai Maganbhai, Vishwas Colony, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

12) 1. Patel Jitendrakumar Maganbhai;

2. Patel Bakul Dahyabhai;
3. Patel Urvashi Paritosh;

Patel Urvashi Paritosh;
 Old Padra Road, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1189 Acq.23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. A-4/6, B.I.D.C. Ltd. Estate situated at Gorwa, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Industrial shed bearing Block No. A4/6 situated at B.I.D.C. Ltd., Estate, Gorwa, Baroda and as fully described as per sale deed bearing Regr. No. 1210 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 27-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 5th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III—SEC. 1]

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Natwarlal Jethalal; Pushpaben Natwarlal; Narsing Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Jayvadan; Partner of M/s. C. B. Construction Co. Narsing Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1190 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 960, Wd. No. 2, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 960, Wd. No. 2, Surat duly registered on 2-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1191 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 110 Plot No. 11-A (Paiki) Wd. No. 13-C, Nondh No. 450 C.S. No. 20, Plot No. 11A, situated at Majura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gunvantrai Nanubhai Desai; Navchetan Society; Majura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pankajkumar Hasmukhlal Kapadia; Sadhana Society, Varachha Road, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property at Majura, S. No. 110, Plot No. 110A(P), Wd. No. 13-C, Nondh No. 450, New C.S. No. 20(P) Plot No. 11-A, Surat, duly registered on 2-2-81,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1192 Acq.23-Π/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura, situated at Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay thx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1) Bai Ganga Chhotalal; Kharadi Sheri, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Vijbhukhandas Jariwala; Sale Prop. Upasana Corporation, 5, Bhula Building, 2nd Floor, Kan Pith, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nordh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura. Surat duly registered on 12-2-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Kanchanlal Chhaganlal Limdi; Maltiben Kanchanlal Limdi; Narmadnagar, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

 Shri Bhupendra Thakorbhai Desai; Bharatiben Bhupendra Desai; Nagarvad, Navsari.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1193 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 328, S. No. 42(P) Narmadnagar, Plot No. 57 situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a Surat on 13-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 328, S. No. 42 (P) Narmadnagar, Plot No. 57, New C.S. No. 1726, Athwa, Surat, duly registered on 13-2-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1194 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Somiben Wd/o Kevalram Karsandas;
Narmadaben daughter of Kevalram Karsandas;
Keshaylal Kevalram
Natverlal Kevalram
Jitubhai Kevalram
Nevnitlal Kevalram
Nevnitlal Kevalram

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumati Jagmohandas; Municipal Tenaments, Opp. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura, Kaversing Sheri, Surat duly registered on 10-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1195 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Salyadpura situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hasim Dayil Dadabhai, 7-3025, Dadabhai Building, Saiyedpura, Surat.

(Transferor)

Shaileshkumar Narottambhai Patel;
 Shriniketan Society, Katargam,
 Surat.
 Jayesh Babubhai Patel;
 Alkapuri Society, Sumul Dairy,
 Surat.
 Maniben Mangubhai Patel;
 Ajanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Saiyedpura, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

1) Shri Kashiram Shivnath; Wadi Falia, Chakawala Sheri, Surat

(Transferor)

(2) 1. Chandrakant Chunilal Gadhvi; Kirparai Mehta Khancho, Gopipura, Surat. 2. Kusumben Chandrakant Gadhvi, Kirparai Mehta Khancho, Gopipura, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1196 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia,

situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-12-306GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia, Surat duly registered on 2-2-81.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1197 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78-B, situated at Mesob, Taluka: Choryasi, Surat (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahendrasinh Narsinh;
 Maniben Narsinh;
 Village; Dumbhal; Taluka; Choryasi, Surat.

(Transferor)

 Pattners of Lalit Motor, Una Pani, Lal Darwaja, Surat.
 Dolatral Gulabbhal Desai, Katodra, Tal. Kamrej,
 Bhaskarbhal Namubhai Desai, Katodra, Tal. Kamrej.
 Niranjan Natvarlal Desai, Katodra, Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrifing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Village Megab, Taluka Choryasi, Surat S. No. 78-B duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1198 Acq.23-II/81-82,-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Navapura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Saifi Musad Attari, Poona. 1. Shri Siraj Musad Attari, Zampa Bazar, Surat. Sehra Musad Attari. Mor Land, Bombay, 3. Kakhrudin Musad Attari, Mor Land, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. Noman Taiyabbhai Maskati, Daria Mahal, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Surat duly registered in February, 1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II. Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1199 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Wd. No. 13 situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Yusuf Ismail Vaid; Salyadpura, Turav Sheri, Surat.
- (Transferor)
  (2) Shri Bharatkumar Vithalbhai Patel; Nirav Apartment Coop. Housing Society; Kailashnagar, Ghoddod Road, Surat. C/o I-E, Mira Apartment, Nanavat, Pandol ni Pole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Surat duly registered on 26-2-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

Baroda.

Karelibaug.

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferor) (2) Shri Hitendra Biharilal Upadhyay, and Shri Umesh

(1) Shri Manubhai, Ramakrishna Bhatt,

Biharilal Upadhyay; 30, Vaishwakunj Coop. Hag. Society Ltd., Karelibaug, Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1200 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 660, C.S. No. 1774, situated at Vaishwakunj Coop Hsg. Society Ltd., Karelibaug, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the enid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing R.S. No. 660, C.S. No. 1774 situated in Vaishwakuni Coop. Hag. Society Ltd., Karelibaug, Baroda and as fully described in sale-deed bearing Regn. No. 618 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of March 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-10-1981

#### FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No 1201 Acq 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 1, Nondh No. 2165-A & 2201 of (P) situated at Nanpura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Kersi Kekhsaru Saher Kumiben Kersi Saher Smt. Kermira Magarban Nanpura, Makaipul, Surat. (Transferor)

1. Chairman: Bipinchandra Dhirajlal Golwala;
 2. Secretary: Jayantılal Vıthaldas,

2. Secretary: Jayantilal Vithaldas, Yash Apartment Coop Housing Society;

1. Baranpuri Bhaga, Surat.

2. Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 1/2165-A and 2201-A (paiki) Nan-pura, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 6-10-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1202 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Type A, Block 4, Road No. 3, Plot No. 7, situated at Udhna Udyognagar, Udhna, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fastlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acfressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Partners of Renuka Silk Mills: Udhna Udyognagar, Udhna.
  - 1. Shriishkumar Babubhai Gorwala;
  - Jayeshri Dilipkumar Golwala;
     R. B. Golwala Family Trust, trustees;
  - 1. Rajnikant Babubhai Golwala;
  - Urmila Rajnikant Golwala;
     Udhna Udyognagar, Udhna, Surat.

(Transferor)

(2) Abdulgani Ismail Unwala; Hajrabai Mohmad Kasam; Ibrahim Valimohmad; Chok Bazar, Sidhived, Surat, Shri Nurmohmad Miyamohmad; Bhaga Talav, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Road No. 3, Type-A, Block No. 4, Plot No. 7, Udhna, Udyognagar, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1203 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 231, Wd. No. 10, situated at Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the large of this notice under under section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Bai Jaymangauri Harishanker Joshi; Katargam, Nr. Sajanand Society, Surat.

(Transferor)

(2) Partners of A.C. Enterprises; 1. Shri Ajayakumar Jitendra Vyas;

 Chandrakant Popatlal Shah; Balaji Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immergable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning are given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 231, Wd. No. 10, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1204 Λcq 23-Π/81-82.—Whereas, -I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 49, Factory Shed; situated at Songadh-Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vyara on February 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—306GI/81

(1) Shri Pıafulbhai M. Gandhi; The National Engg. Construction Co., Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Natverlal M. Shah; on behalf of; The Central Pulp Mill, Songadh, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 49, Songadh, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 19th September 1981

No. AR II/3176-26/Mar.81.—Whereas, I SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 263, H. No. 1 & 8-A C.T.S., No. C-1077 & 1076 situated at Sherly Rajan Rd. Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 23-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Stanislaus Gonsalves.

(Transferor)

(2) Akhtar Hassan Rizvi & Mrs. Meena A. Rizvi Trustees of Reshma Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 563/80 as registered with the Joint Sub-registrar, Bombay (Bandra) on 23-3-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-9-1981

#### PORM ITNS

(1) Joseph Thomas Ferriera.

(Transferor)

(2) Michael Joseph Ferreira & Norman Francis Lewis.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Rcf. No. AR-II/3141-3/Feb. 81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 38, C.T. S. No. 302 situated at Goral Vill. Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to-pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. S-133/81 with the Sub-Registrar, Bombay, on 9-2-1981.

SANTOSH DATTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-10-1981

ingl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Ref. No. AR-II/3148-6/Fcb'81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. C.T.S. No. 1092 & 1489 situated at Mahim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Aishabai Haji Usman.

(Transferor)

(2) Shri Haji Esmail Ahmed Makadam.

(Transferee)

- (3) Tenants: 1. Haji Abdul Gani Ibrahimbhai 2. Haji Abdul Razak Mukadam 3. Haji Ismail Ahmed Mukadam 4. Umerbhai Latifbhai 5. Ataullah Jabber Khan.
  - (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1094/80 with the Registrar, Bombay, on 16-2-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-10-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalyan/Feb.81/531/81-82.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. CTS No 3895 & 2951A, S. No. 91/2 & 140/3 Plot No. 202 situated at Rambaug Lane, No. 'O' Kalyan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalyan on 21-2-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sripad Sarvottam Sule & Others, Rambaug Lane No. 'O'.

(Transferor)

(2) Shii M. A. Gadgil, Secretary of Indira Co-operative Housing Society Ltd. Rambaug Lane No. 'O'. Kalyan Dist. Thane.'

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 2895 & 2951 A, S. No. 91/2 & 140/3, Plot No. 202 situated at Rambaug Lane No. 'O' Kalyan, Dist. Thane admr. 252 Sq. Yds.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 383, in the office of the sub registered Kalyan on 21-2-81.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 10-9-1981.

Seal .

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR Wai/Feb.81/532/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 18/2 situated at Vill. Metgutad Tal Wai, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Wai on 27-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhondu Ravji Pawar & Others 6, Shankar Vithoba Choudhary & Others 12, Baburao Narayan Bavlekar & Others 5 at Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara.

(Transferor)

(2) Shri Shrinivas Mahadeo Sane at Vaibhav Shraddanand Path, Dombivli (E) Dist. Thane.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 18/2 situated at Village Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara admr. 1 H-19R.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 155 on 27-2-81 in the office of the Sub-registrar Wai, Dist. Satara).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poons.

Date: 10-9-1981.

Scal:

(1) Santosh Kr. Mallick & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (22) Miss Rana Nishat Jawad & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1981

Ref. No. TR-552/80-81-C-588.Acq.R-I/CAL.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 56 situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liblility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in one storeyed building being premises No. 56 park Street, Calcutta-17 measuring 16 cottabs 14 chittacks 30 sq. ft. of land registered vide Deed No. 1-884 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta on 10-2-1981.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta.

Date: 15-9-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### 1) Santosh Kumar Paul Nongee, P. S. Maheshtola, 24-Pgs.

(Transferor)

(2) Usha Atlash Hydroulic Equipment Ltd., 14, Princep Street, Cal-72.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. AC-32/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Dag No. 95 situated at Putkhali P. S. Maheshtola, 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, on 12-2-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 18k, 2 Nch. 10 sft. at Putkhali, P. S. Mahestola, 24-Pgs. vide Dag No 95, More particularly described in deed No. 1473 of D. R. Alipore, 24-Pgs of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta

Date: 23-9-1981

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/81-82,—Whereas, I. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 826 & 823

situated at Chandannagar, P.S. Maheshtola, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at D.R. Alipore, on 18-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Mussit Aklima Bibi w/o Md. Musa Naskar,
   Asgai Ali Naskau
   Taher Ali Naskar
   Bhahali Naskar

  - 5. Musstt, Fatima Bibi 6 Musstt. Zchara Bibi

  - 7. Musstt Asma Bibi 8. Musstt. Sahera Begum. All of Vill-Jalkhul, P.S. Maheshtola, 24-Pgs

(Transferor)

(2) Usha Telehoist Ltd. 14, Princep Street, Calcutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area:—2b. 13w 12 ch. 18 sft. at Chandannagar, P.S. Maheshtola, Dist-24Pgs vide Dag No 826 & 823 More particularly described in Deed No. 1714 of D.R. Alipore, 24Pgs of 1981

K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Calcutta.

Date: 23-9-81

(1) Shii Santosh Kumai Paul, Nongee, P.S. Maheshtola, Dt 24-Pgs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Usha Telehoist Ltd., 14 Princep Street, Cal-72

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref No. AC-34/R-II/Cal/81-82—Whereas, 1, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Dag No 95

situated at Putkhali, P.S. Maheshtola, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

D.R. Alipore, on 12-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 2B 4k. 12ch 25sft, at patkhali, P.S. Maheshtole, 24-Pgs, Dg No. 95. More particularly described in deed No. 1474 of D.R. Alipore of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 23-9-81 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mathura Prasad Sah, FORM ITNS

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th September 1981

Ref No. G.I.R. No. A-103/Acq-Whereas, I, A. S. BISEN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prince Theatre situated at 40, Hazratganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

on 4-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Annapurna Devi.

(Transferce)

(3) 1. Shri Devi Lal Shah

Shri Sunder Lal Shah

3. Smt. Lilawati Devi

Smt. V. Devi

5. Shri Ganesh Lal Shah.

Shri Jagdish Prasad

6. Shri Jagdish Prasau 7. M/s. Krishna Restaurant——(Tenant)

& M/s Coffee House (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/7th share in the building and appurtenances known as 'Prince Theatre' fitted with complete Westrex cinema equipment and also containing furniture fittings and fixtures situated at 40, Hazratganj, Lucknow, including M/s. Krishna Restaurant and Coffee House—total area measuring 4028 sq. It including land and building etc. and all that description of the preparaty which is mantioned in the spleaded and form of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 843/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-2-1981.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-9-1981

- M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti, Varanasi.
- (2) Narendra Kumar

(2) 1. Shri Vijai Bahadur Singh2. Smt. Roop Kala Devi

(1) 1. M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti, 2. Narendra Kumar

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1981

Ref. No. G.I.R. No. V-53/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

6 plot and house

situated at Arya Nagar Colony, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Varanasi

on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and plot of land No. 6 situated at Arya Nagar Colony, Halqa—Chetganj, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1280 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 11-2-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-9-1981

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

ASSISTANT ENGINEER (CPWD) LIMITED DEPART-

MENIAL COMPETITIVE EXAMINATION 1982

New Delhi, the 31st October 1981

No. F.15/1/80-E.I.(B).—A limited departmental competive examination for promotion of Junior Engineers (Civii/Electrical) to the Assistant Engineers Grade (Civii/Electrical) in the Central P.W.D. will be neid by the Union Public Service Commission on 6th April, 1982 at BUMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHAII), 11ANAGAI, KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR and PURI BLAIK in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, dated 51st October, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LÍABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure Para 8).

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows:—
  - (1) Assistant Engineer (Civil)

(includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Engineer (Electrical) 15

(includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes, and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. Ine prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 Wincinstrould be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination 1982. Applications on forms other than the one prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1982 will not be entertained.

+. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dioipur House, New Delin 110011 on or before the 14th December, 1981 (28th December 1981) in the case or candidates residing in Assam, Megnaraya, Arunachal Fladesh, Mizotam, Manipur, Nagaland, Tipura, Sikkim, Ladakh Division of Jak State, Andaman and Micobal Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 14th December, 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above, accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tiipura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to turnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tiipura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobai Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 14th December 1981.

Note—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the eaxmination must pay to the Commission with the completed application form a rec to Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) (Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission— Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rupees fifteen) (Rs. 4.00 (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

VINAY JHA, Joint Secretary, Union Public Service Commission.

#### **ANNEXURE**

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the canadates should consuit the Notice and the Rules carefully to see i, they are eligible. The conditions prescribed cannot be

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRALH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change or centre will normally be granted. When a canadate, however, desact a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter prication form for the Examination, he must send a fetter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 6th March, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card or with bail-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form 6. Indian numerals are to be used while filling up the applica-tion form. Even if the date of birth in the SSLC or it. equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses international form of indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible In case there are any illegible or misleading entries, the candidates was be responsible for the confusion and the as to caused in interpreting such entries.

Candidates should turther note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form They should, therefore, take special care to fill up the application form

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:-
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
  - (11) Two indentical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candi-
  - (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable [See para 4(111) below].
  - (iv) Attendance Sheet (attached with the Application form), duly filled.
  - (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.

Note (1)—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUB-MIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED AT ITEM (111) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERN-

MLLLI OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSLEVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALITY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE. THE REDUCTO OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE IHE RESULTS OF THE WRITTEN LAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMITTHE REQUIRED CERTIFICATE IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (II)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE CERTIFICATE SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 4 Details of the documents mentioned in items (1) to (111) of para 3 are given below:
- (1) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Detaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft's will also not be accepted.

Note .- Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders, he name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

- (11) Iwo copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (111) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the

State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.
The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.
This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari————————————————————————————————————
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Array (Reorganisation Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheeduled Tribes Order, 1962*.
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970**
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

_	
	2. Shri*/Shrimati/Kumari————————————————————————————————————
	Signature* **Designation
	(with seal of office)
	PlaceState*/Union Territory.
	Date
	'Please delete the words which are not applicable.
	Norg.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.
	**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.
	(i) District 'Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Fxtra Assistant Commissioner.
	†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
	(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
	(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
	(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
	(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
	N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application will be rejected.
	5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document.

6 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *lpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. Every application including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT (3) APPLICATION BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

-COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED

N.B. (ii)—II- A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

11. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER THE MATTER.